News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-237
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

इंदौर, सोमवार 02 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सुविचार

अगर आप किसी भी क्षेत्र में सफल होना चाहते हैं तो आपको दूसरों से अलग सोचना होगा

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

विजयपुर की पराजय के बाद भी जेपी नड्डा ने की मप्र बीजेपी की तारीफ

भोपाल। मध्यप्रदेश बीजेपी संगठन की भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तारीफ की है। यह तारीफ बूथों के 100 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन को लेकर की गई है। हाल ही में विजयपुर उपचुनाव में हार के बाद इस तारीफ के सियासी गलियारों में कई मायने निकाले जा रहे हैं। जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि संगठन पर्व के अंतर्गत एमपी बीजेपी संगठन ने सदस्यता अभियान में बूथ समिति निर्माण के साथ 100त्न बूथों का डिजिटलाइजेशन कर नई उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में संचालित यह अभियान मंडल, जिला और राष्ट्रीय स्तर तक नए आयाम स्थापित कर रहा है। निश्चित रूप से संगठन पर्व हमारे कोटिश- कार्यकर्ताओं के परिश्रम से 'विकसित भारत' निर्माण के संकल्प की सिद्धि में सहायक सिद्ध हो रहा है। विभिन्न नवाचारों के जरिए संगठन के रचनात्मक कार्यों को धरातल पर उतारकर हमारे संगठन ने आदर्श स्थापित किए हैं। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के सभी बूथ कार्यकर्ताओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

क्या हैं इसके सियासी मायने? माना जा रहा था कि विजयपुर में मंत्री रामनिवास रावत के हारने और बुधनी में प्रदर्शन में गिरावट को लेकर हाईकमान एक्शन ले सकता है। हालांकि इन सबके बावजूद यूं संगठन की तारीफ से इन अटकलों पर विराम लगने की संभावना है। बता दें कि मध्यप्रदेश में रविवार से भाजपा के मंडल

अध्यक्षों का चुनाव शुरू हो गए हैं। ये चुनाव 15 दिसंबर तक चलने वाले हैं। इसके बाद 16 से 31 दिसंबर तक जिलाध्यक्षों के चुनाव होंगे। बीजेपी में इस बार 200 मंडल बढ़ेंगे। एमपी में कुल मंडलों की संख्या बढ़कर अब लगभग 1300 हो जाएगी। फिलहाल एमपी में 1099 मंडल हैं।

विश्व एड्स दिवस पर इंदौर पहुंचे नड्डा
विश्व एड्स दिवस पर रविवार को इंदौर में देवी अहिल्या विश्व विद्यालय सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत देश में टिटनेस की दवा आने में 40 साल लगे। क्षय रोग की दवा आने में 25 साल लगे, लेकिन कोरोना के दो टीके 9 माह में आ गए। जिन्होंने कई लोगों की जिंदगी बचाई। हमने चालीस देशों को मुफ्त कोरोना की दवा दी। अब भारत लेने वाला नहीं देने वाला भारत बन चुका है। कोरोना के समय डेढ़ माह में देश तैयार हुआ। पीपीई किट,आईसीयू बेड, टेस्टिंग किट बनाई गई। कोरोना का मैनेजेमेंट देश में प्रभावी रहा। नड्डा ने कहा कि नए उम्र के लोगों ने काला दौर नहीं देखा, जो 80 के दशक में रहा।

एड्स से लंबी लड़ाई देश ने लड़ी है
नड्डा ने कहा कि एड्स की बीमारी को डेथ वारंट माना जाता था। पूरा परिवार तबाह हो जाता था। तब जागृति के लिए कोई अभियान भी नहीं चलते थे। अभी तक इस तरह की दवा नहीं आई कि मरीज उसे खाकर पूरी तरह ठीक हो जाए। मरीज को आजीवन दवा खाना पड़ेगी और जीवन भर वह ठीक रह सकता है। अब हमारा विज्ञान इतना विकसित हो चुका है कि इस बीमारी के साथ भी लोग लंबी जिंदगी जी रही है। सामान्य संतानों को जन्म दे रहे है। इसकी चर्चा से हमें भागना नहीं चाहिए। बच्चों को इस बीमारी के लिए एज्यूकेट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एड्स के साथ जो लोग जी रहे है, उनकी स्थित को समझे और उनके प्रति संवेदनशील रहे और उनके अधिकारों का हनन न हो, इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। एड्स से लंबी लड़ाई समाज ने और देश ने लड़ी है।

जनसंख्या में गिरावट को लेकर चिंता में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की सलाह...

दो या तीन बच्चे पैदा करो...

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने जनसंख्या नीति को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने रविवार को महाराष्ट्र में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यह जरूरी है कि जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 2.1 से नीचे न जाए। हमारे लिए यह जरूरी है कि दो या तीन बच्चे पैदा किए जाएं। ऐसा जनसंख्या विज्ञान कहता है और यदि औसत आंकड़ा 2.1 का ही रहा तो फिर बिना किसी खतरे के ही पृथ्वी से मानवता समाप्त हो जाएगी। आबादी यदि ऐसे ही कम होने की दर बनी रही तो फिर कई भाषाएं और सभ्यताएं खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगी। मोहन भागवत ने कहा कि आबादी का घटना चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब जन्म दर 2.1 से नीचे जाती है तो फिर धरती से मानवता ही खत्म होने का खतरा पैदा हो जाता है। ऐसी स्थिति में समाज खत्म हो जाता है, जबकि उसके आगे कोई प्रत्यक्ष संकट नहीं होता। ऐसी स्थिति में कई भाषाओं और सभ्यताओं के खत्म होने का खतरा होता है। देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय हुई थी। जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। हमारे लिए यह जरूरी है कि दो या तीन बच्चे हों। आबादी की जरूरत है क्योंकि समाज का अस्तित्व रहना चाहिए। बता दें कि आरएसएस की ओर से कई बार यह बात दोहराई जा चुकी है कि देश में जनसंख्या का असंतुलन बढ़ रहा है। खासतौर पर हिंदुओं की आबादी का प्रतिशत भारत में कम होने को लेकर मोहन भागवत कई बार चिंता जता चुके हैं। वेकहते रहे हैं कि भारत में हिंदुओं का बहुसंख्यक रहना जरूरी है और देश के मूल्य इसी के चलते सुरक्षित बने हुए हैं। गौरतलब है कि कई रिपोर्ट्स में यह कहा जा चुका है कि मुस्लिमों की आबादी का प्रतिशत आजादी के बाद से अब तक बढ़ा है, जबकि हिंदुओं की आबादी का प्रतिशत 80 के करीब आ चुका है, जो कभी 88 के आसपास था।

क्यों महत्वपूर्ण है भागवत का बयान मोहन भागवत का बयान ऐसे समय में आया है जब बीजेपी के कई नेता देश में जनसंख्या नियंत्रण

कानून लाने की बात कर रहे हैं। लेकिन संघ प्रमुख जनसंख्या वृद्धि पर जोर दे रहे हैं। कुछ दिन पहले ही राजस्थान से बीजेपी के विधायक बालमुकुंदाचार्य ने जनसंख्या नियंत्रण विधेयक लाने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण विधेयक लाना जरूरी है। उन्होंने विशेष समुदाय को लेकर टिप्पणी की थी और कहा था कि जनसंख्या वृद्धि ही विकास की गति में रुकावट पैदा कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में जनसंख्या प्रजनन दर में लगातार गिरावट हो रही है। आजादी के बाद 1950 में भारत में जनसंख्या वृद्धि दर 6.2 थी लेकिन अब यह घटकर 2.2 पर पहुंच गई है। अगर ऐसा ही रहा तो 2050 तक भारत में जनसंख्या वृद्धि दर 1.3 रह जाएगी। मोहन भागवत का बयान ऐसे में काफी महत्वपूर्ण हो जाता है।

सपा ने दी प्रतिक्रिया...असहज हो जाती है भाजपा मोहन भागवत के इस बयान पर विपक्ष ने प्रतिक्रिया दी है। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद नने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से मोहन भागवत जो कुछ कहते हैं, उससे भाजपा असहज हो जाती है। पिछली बार भी जब मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद में मंदिर क्यों ढूंढना, तब भी भाजपा के पास कोई जवाब नहीं था। भाजपा पूरे देश की जनसंख्या को लेकर राजनीति कर रही है।

उमंग सिंघर ने उठाए सवाल कांग्रेस नेता उमंग सिंघर ने मोहन भागवत के बयान पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जो पहले से हैं उनको तो नौकरियां दिलवा दो, नौकरियां है नहीं, फसल की जमीन कम हो रही हैं। मोहन भागवत चाहते हैं कि दो से ज्यादा बच्चे हों। देश में बेरोजगारी बढ़ रही है। आज के युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही फसल की जमीने कम होती जा रही है जबकि जनसंख्या बढ़ती जा रही है। मोहन भागवत चीन से सीख नहीं ले पा रहे और वो जनसंख्या के मामले में देश को शक्तिशाली बनाना चाहते हैं।उन्होंने आगे कहा कि मेरा सुझाव है कि मोहन भागवत, पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुरुआत करनी चाहिए। इन्हें जनसंख्या की इतनी चिंता है तो शुरुआत भी इन्हीं से होनी चाहिए।

यह बोले असदुद्दीन ओवैसी एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी मोहन भागवत के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भागवत जी कहते हैं कि जनसंख्या बढ़ानी चाहिए, लेकिन क्या वे यह सुनिश्चित करेंगे कि बच्चों को कुछ फायदा मिले? क्या वह गरीब परिवारों को हर महीने 1500 रुपये देंगे? बता दें कि मोहन भागवत के बयान पर देशभर में बहस तेज हो गई है।

हमें 15 मिनट में नहलाकर सुखा देगी 'ह्यूमन वाशिंग मशीन'

नई दिल्ली। कपड़े धोने के लिए वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल तो आप और हम लंबे समय से करते आ रहे हैं, लेकिन अब इंसानों के नहाने के लिए भी वॉशिंग मशीन आ गई है। सुनकर आपको अजीब लग रहा होगा लेकिन यही सच है। जापान में एक शावरहेड निर्माता ने 'ह्यूमन वाशिंग मशीन' तैयार की है, जो एक ऐसा पॉड है जो किसी इंसान को सिर्फ 15 मिनट में धोकर यानी नहलाकर सुखा सकती है। यह भविष्य की तकनीक पर आधारित मशीन अभी प्रोटोटाइप चरण में है, लेकिन कंपनी निकट भविष्य में इसे घर और आतिथ्य (हॉस्पिटैलिटी) क्षेत्रों के लिए लॉन्च करने की योजना बना रही है। जापानी समाचार माध्यम 'द असाही शिंबुन' के अनुसार, इस मशीन की प्रेरणा 1970 जापान वर्ल्ड एक्सपोजिशन में प्रदर्शित

एक समान डिवाइस से ली गई है। उस समय सैन्यो इलेक्ट्रिक कंपनी जो अब पैनासोनिक है ने एक अंडाकार आकार की 'अल्ट्रासोनिक बाथ' पेश की थी। यह मशीन तब ऑटोमैटिक रूप से गर्म पानी से भर जाती थी, जब कोई व्यक्ति उसमें बैठता था। इसमें अल्ट्रासोनिक तरंगें और मसाज बॉल्स उसे साफ करती थीं और बाद में पानी अपने आप निकल जाता था, हालांकि अल्ट्रासोनिक बाथ उस समय लोकप्रिय नहीं हो पाई, लेकिन इसने एक बच्चे को जरूर प्रेरित किया—यासुआकी ओयामा, जो अब साइंस कंपनी के चेयरमैन हैं। साइंस कंपनी जापान के हॉस्पिटैलिटी बाजार के लिए शावरहेड और अन्य स्नान संबंधी उपकरण बनाती है। ये उपकरण छोटे बुलबुले (माइक्रोबबल्स) छोड़ते हैं, जो बेहतर सफाई में मदद करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय लेन-देन करने वाले करदाता 15 तक दाखिल कर सकेंगे आईटी रिटर्न

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अंतरराष्ट्रीय लेन-देन करने वाले करदाताओं के लिए वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 15 दिन और बढ़ाकर 15 दिसंबर कर दी है। यह सुविधा ऐसे करदाताओं को दी गई है, जिन्हें धारा 92ई में संदर्भित रिपोर्ट पेश करने की जरूरत होती है। पहले आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 139(1) के तहत आयकर रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 30 नवंबर थी। केंद्र सरकार दूसरी छमाही यानी अक्तूबर से मार्च के बीच पूंजीगत खर्च में सालाना आधार पर 25 फीसदी की वृद्धि कर सकती है। सरकार के कुल खर्च में भी 15 फीसदी का इजाफा हो सकता है। चुनावों के दौरान लोकलुभावन योजनाओं में वृद्धि के बावजूद, केंद्र बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश करने के प्रति प्रतिबद्ध है। जेफरीज की रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों के चुनावों के दौरान लोकलुभावन नीतियों ने रफ्तार पकड़ी है। केंद्र सरकार की प्राथमिकताएं कल्याण-संचालित उपायों के बजाय बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य चुनावों में जरूरतमंद लोगों को दी जाने वाली मदद जैसी योजनाओं से खर्च बढ़ेगा।

नवंबर में मालामाल हुआ सरकारी खजाना, 1.82 लाख करोड़ का जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में सकल जीएसटी संग्रह 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। जीएसटी संग्रह बढ़ने के पीछे की वजह घरेलू लेनदेन के कारण मिला अधिक राजस्व है। रविवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार नवंबर में केंद्रीय जीएसटी संग्रह 34,141 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 43,047 करोड़ रुपए, एकीकृत आईजीएसटी 91,828 करोड़ रुपए और उपकर 13,253 करोड़ रुपए रहा। नवंबर में कुल सकल जीएसटी राजस्व 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1.68 लाख करोड़ रुपये था। अक्टूबर में 1.87 लाख करोड़ रुपएका जीएसटी संग्रह नौ प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ दूसरा सबसे अच्छा जीएसटी संग्रह था। अब तक का सबसे अधिक संग्रह अप्रैल, 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक था। समीक्षाधीन महीने के दौरान घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 9.4 प्रतिशत बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात पर कर से राजस्व लगभग छह प्रतिशत बढ़कर 42,591 करोड़ रुपए हो गया। इस महीने के दौरान 19,259 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.9 प्रतिशत कम है। रिफंड समायोजित करने के बाद, शुद्ध जीएसटी संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये हो गया।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 16.5 रुपए की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव खत्म होते ही लोगों को महंगाई की मार लगी है। तेल कंपनियों ने वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव कर दिया है। इसके मद्देनजर 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 16.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। बढ़ी हुई कीमतें रविवार से ही लागू हो गई हैं। बढ़ी कीमतों के बाद राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर खुदरा बिक्री मूल्य 1,818.50 रुपए में मिलेगा।

आईसीसी अध्यक्ष के तौर पर जय शाह के सामने चैंपियंस ट्रॉफी की चुनौती

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के सचिव के तौर पर पिछले पांच साल से काम कर रहे जय शाह ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाल लिया है। शाह ग्रेग बार्कले की जगह अध्यक्ष बने हैं जो नवंबर 2020 से यह पद संभाले हुए थे। शाह के सामने आगे बड़ी चुनौती है क्योंकि अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है और अब तक इसका कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। जय शाह इस वैश्विक संस्था का नेतृत्व करने वाले पांचवें भारतीय हैं। शाह से पहले व्यवसायी दिवंगत जगमोहन डालमिया, राजनेता शरद पवार, वकील शशांक मनोहर और उद्योगपति एन श्रीनिवासन विश्व क्रिकेट संस्था का नेतृत्व करने वाले भारतीयों में शामिल रहे हैं। 36 साल के शाह पिछले पांच वर्षों से बीसीसीआई सचिव के तौर पर काम कर रहे थे। शाह के कार्यकाल की शुरुआत होने से ठीक पहले आईसीसी की वर्चुअल बैठक हुई थी जिसमें चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर फैसला होने की उम्मीद थी। बताया जा रहा है कि इस बैठक में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से हाइब्रिड मॉडल स्वीकार करने के लिए कहा गया था, लेकिन पीसीबी शर्तों के साथ इसके लिए तैयार हुआ। जय शाह का कार्यकाल चुनौतियों के साथ शुरू होगा क्योंकि आईसीसी को पाकिस्तान में निर्धारित चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हाइब्रिड मॉडल को लागू करने के लिए एक स्वीकार्य समाधान खोजने की जरूरत है। बीसीसीआइ पहले ही कह चुका है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजेगा। शाह बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी रहे हैं जिन्होंने यह फैसला किया था और अब वह आईसीसी अध्यक्ष के रूप में नई भूमिका में आ गए हैं जिन्हें चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही खींचतान को सुलझाना है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि इसका नतीजा क्या निकलता है।

पोप फ्रांसिस ने भारत के संत नारायण गुरु की जमकर की तारीफ

तिरुअनंतपुरम। दुनिया के शीर्ष ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने भारत के संत श्री नारायण गुरु की सराहना की है और उनके संदेश को पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक बताया है। पोप फ्रांसिस ने कहा कि नारायण गुरु का समाज सुधारक का संदेश आज की हमारी दुनिया के लिए प्रासंगिक है, जहां हमें लोगों और देशों के बीच असहिष्णुता तथा नफरत बढ़ने के उदाहरण देखने को मिल रहे हैं। एनार्कुलम जिले के अलुवा में श्री नारायण गुरु के सर्व-धर्म सम्मेलन के शताब्दी समारोह के अवसर पर वेटिकन में जुटे धर्मगुरुओं और प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए पोप ने यह बात कही। पोप ने कहा कि आज दुनिया में जो अशांति का माहौल है उसके लिए धर्मों की शिक्षाओं को न अपनाना भी कहीं न कहीं जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि गुरु

ने अपने संदेश के माध्यम से सामाजिक और धार्मिक जागृति को बढ़ावा देने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। पोप ने कहा कि गुरु ने अपने संदेश में कहा था कि सभी मनुष्य, चाहे उनकी जाति, धर्म और सांस्कृतिक परंपराएं कोई भी हों, एक ही मानव परिवार के सदस्य हैं। पोप ने कहा कि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी तरह से और किसी भी स्तर पर किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

धर्मों की शिक्षाओं को नहीं अपनाना अशांति का कारण
पोप ने कहा कि दुख की बात है कि कई समुदायों और लोगों को नस्ल, रंग, भाषा और धर्म के आधार पर रोजाना भेदभाव तथा तिरस्कार झेलना पड़ रहा है और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। खासकर ऐसा उन लोगों और समुदाय के साथ हो रहा है जो गरीब और कमजोर तबके के हैं। पोप ने कहा कि धर्मों की महान शिक्षाओं को नहीं अपनाना दुनिया में अशांति के लिए जिम्मेदार कारणों में से एक है। नारायण गुरु को भारत के उन महान संतों में शुमार किया जाता है, जिन्होंने समानता का संदेश दिया। आज भी बहुजन राजनीति और सामाजिक वर्ग के लोगों के लिए वे एक नायक की तरह हैं।

छोटी उम्र से तप की ओरआकर्षण श्री नारायण गुरु का जन्म 22 अगस्त, 1956 को केरल के तिरुअनंतपुरम के पास एक गांव चेमपजंथी में मदन असन और कुट्टियम्मा के घर हुआ था। उनका परिवार एझावा जाति से संबंध रखता था और उस समय के सामाजिक मान्यताओं के अनुसार इसे अवर्ण माना जाता था। छोटी उम्र से ही उनका आकर्षण तप की ओर था जिसके चलते वे संन्यासी के रूप में आठ वर्षों तक जंगल में रहे थे।

विश्व एड्स दिवसः सीएम डॉ. मोहन यादव ने रोग से डरो...रोगी से नहीं का दिया संदेश

नड्डा बोले- सभी को समाज में जाकर एड्स पर खुलकर चर्चा करना चाहिए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया गया। इसी कड़ी में इंदौर के खंडवा रोड स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के ऑडिटोरियम में कार्यक्रम हुआ। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्?डा ने शिरकत की। उन्होंने एड्स को लेकर चर्चा करने में किसी भी प्रकार का संकोच नहीं किया। मंत्री नड्डा के संबोधन से पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने सभा को संबोधित किया। सीएम मोहन यादव ने कहा कि रोग से डरो रोगी से नहीं। उन्होंने एक बच्चे का किस्सा सुनाते हुए बताया आपके सामने एक बच्चा मंत्री नड्डा जी से मिला। उसने कहा कि मैं आपसे 2014 में मिला था। बच्चे ने कहा कि मैंने जन्म से ही इस बीमारी के बीच में अपना जीवन पाया है। मुझे खुशी है लंबे संघर्ष से उस बीमारी पर विजय पाई जिसमें मेरे माता-पिता की मौत हुई।

नड्डा ने कहा कि जब मैं एड्स पर बात कर सकता हूं तो आप सभी को समाज में जाकर खुलकर चर्चा करना चाहिए। स्कूलों में कार्यक्रम होना चाहिए। 9वीं-10वीं के बच्चों को अवेयर करना चाहिए। कैंपेन चलाना चाहिए। हेल्दी बिहेवियर को प्रमोट करना चाहिए। वर्ल्ड एड्स-डे और उसके खिलाफ चल रही जंग को डेडिकेट और रि-डेडिकेट करने का दिन है।

दवा में आगे बढ़ रहा भारत

मंत्री जेपी नड्डा ने आगे कहा कि एक समय ऐसा था जब भारत में टिटनेस की दवा को 40 साल, टीबी की दवा को 30 साल, डिफ्थीरिया की दवा को 30 साल, जापानी बुखार को ठीक करने वाली दवा आने में 100 साल लग गए। लेकिन, अब भारत ऐसे बदला कि कोरोना आया और 9 माह में भारत ने दो-दो वैक्सीन बनाकर पूरी दुनिया को सप्लाई की। यह बदलता भारत है।

आप लोगों ने 80 का दशक नहीं देखा

जेपी नड्डा ने कार्यक्रम में मौजूद बच्चों से बात करते हुए कहा कि हमारे समाज ने देश में एड्स की लंबी लड़ाई लड़ी है। लेकिन, हमारे नौजवानों ने अंधकार का वो काला दौर नहीं देखा। इस लिए आपको मालूम नहीं है कि एड्स का मतलब क्या है। आप लोगों ने 80 का दशक नहीं देखा। आपको मालूम नहीं है कि एड्स मतलब क्या होता है। उस समय अगर कोई एड्स मरीज किसी को छू जाए तो लोग डर जाते थे। लोग ऐसे परिवारों से दूर रहते थे। हेयर कटिंग सैलून वाला बार-बार अपने उस्तरे को पोछ्ता था तब डर लगता था। यह दौर शायद मुख्यमंत्री, सिलावट और राजेंद्र शुक्ला जी ने देखा है।

हमारे देश ने एड्स की सबसे सस्ती और इफेक्टिव दवाएं बनाई

नड्डा ने कहा कि, एक समय था जब दुनिया में एड्स की दवा नहीं थी, और जब दवा आई तो इतनी महंगी थी की गरीब आदमी उन दवाओं को ले नहीं सकता था। हमारे देश की कंपनियों ने दुनिया में एड्स की सबसे सस्ती और इफेक्टिव दवाएं बनाई। इनके माध्यम से हम अफ्रीका, साउथ अफ्रीका, लेटिन अमेरिका समेत कई देशों की मदद कर रहे हैं। हम देश के 95त्न एचआईवी मरीजों तक समय पर दवा पहुंचा रहे हैं।

एचआईवी प्रोटेक्शन को लेकर एक्ट में सुधार

नड्डा ने कहा कि आज विज्ञान और खासकर हमारे भारत के लोग हेल्थ केयर सिस्टम को लेकर काफी सजग हो गए हैं। हमारा हेल्थ केयर सिस्टम काफी मजबूत है। वह एड्स पीड़ितों को लंबा जीवन दे सकते हैं। आप लोगों की भी जिम्मेदारी है कि पीड़ितों का ध्यान रखें। जो सर्विस प्रोवाइडर है वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं उनका मनोबल बढ़ाए। मैं इस बीमारी में लगे हेल्थ वर्कर और हेल्थ प्रोवाइडर को सलाम करता हूं। उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि जब मैं स्वास्थ्य मंत्री बना तो मुझे एचआईवी प्रोटेक्शन को लेकर एक्ट में सुधार करने का मौका मिला।

एड्स पीड़ितों को सामाजिक दृष्टि से देखें

नड्डा ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से कहा कि, आप लोगों की उपस्थिति बता रही है कि आप सभी एड्स के खिलाफ लड़ाई लड़ने और प्रोडक्शन को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोग एड्स पीड़ितों को सामाजिक दृष्टि से देखें और उन्हें मुख्य धारा में लाने का प्रयास करें। इन लोगों को इनका अधिकार दिलाने का दिन है। लोग उनसे घृणा नहीं करें उनकी स्थिति समझे। यह समझे कि वह फिर से ठीक होकर अच्छा जीवन जी सकते हैं।

विपक्ष पर साधा निशाना

मंत्री जेपी नड्?डा ने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद एड्स बीमारी पर कंट्रोल रिसर्च और डेवलपमेंट के साथ कोरोना वैक्सीन तक का सफर बताया। उन्होंने कहा, फिर भी लोग बोलते हैं कि भाजपा सरकार आने के बाद कुछ नहीं बदला। मैं कहता हूं सब कुछ बदल गया लेकिन तेरा स्टेटस नहीं बदला। यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में डेप्युटी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, मंत्री तुलसी सिलावट सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

लॉरेंस गैंग के तीन मेंबर गिरफ्तार, शराब का ट्रक हाईजैक करने का था प्लान

3 पिस्टल के साथ 6 जिंदा कारतूस बरामद

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर शहर की लसूड़िया पुलिस ने लॉरेंस विश्नोई गैंग से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 3 पिस्टल के साथ 6 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने पूछताछ की तो उन्होंने ने अपना नाम भूपेंद्र सिंह, आदेश चौधरी और दीपक सिंह रावत बताया। तीनों राजस्थान के रहने वाले हैं। पूछताछ में उन्होंने जो क्राइम कबूला उसे सुन पुलिस भी हैरान हो गई। डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक काले रंग की थार गाड़ी में तीन आरोपी घूम रहे हैं। आरोपी किसी शराब के ट्रक को हाईजैक करने के इरादे से बाईपास पर घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार का पीछा कर उसे रुकवाया और देखा तो अंदर तीन लोग बैठे थे। पूछताछ के बाद तीनों संदिग्ध लगे तो पुलिस ने उनको हिरासत में ले लिया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि शराब के ट्रक को हाईजैक करने की नीयत से घूम रहे थे। उसमें मुख्य आरोपी भूपेंद्र रावत बिहार का इनामी बदमाश निकला जो लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा है। वहीं, अन्य दो आरोपियों पर भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

डीसीपी विश्वकर्मा के अनुसार यह बात भी सामने आई है कि यह हवाला के जरिए पैसा विदेश में भी ट्रांसफर करते थे। एक अन्य आरोपी आदेश चौधरी इन आरोपियों को चोरी की गाड़ी उपलब्ध कराता था। फिलहाल, पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य अपराधियों की जानकारी जुटाने में लगी है। इनकी गिरफ्तारी से शहर में संभावित बड़ी वारदात को टालने में सफलता मिली है।

आरोपी भूपेंद्र ने राजस्थान के अजमेर में एक

पेट्रोल पंप व्यापारी से 5 करोड़ की फिरौती मांगी थी। फिरौती नहीं देने पर उसे गोली मार दी थी।

वहीं दीपक और आदेश भूपेंद्र के लिए काम करते है। दीपक उसका ड्रग्स और क्रिप्टो करेंसी का काम देखता है। बिहार के गोपालगंज में पुलिस ने 5 ग्लॉक पिस्टल के साथ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। यह पिस्टल आरोपियों ने भूपेंद से खरीदने की बात कबूल की थी। इस मामले में बिहार पुलिस को भूपेंद्र की तलाश थी। इसके लिए उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

गौरक्षा समिति का अध्यक्ष भी है भूपेंद्र

आरोपी भूपेंद्र राजस्थान में गौरक्षा समिति का अध्यक्ष भी है। पिछले दिनों चंडीगढ़ में एक क्लब के बाहर हुए बम ब्लास्ट में भी भूपेंद्र के ही गुर्गों के शामिल होने की जानकारी सामने आ रही है। इन आरोपियों के बारे में इंदौर पुलिस अन्य राज्यों की पुलिस से संपर्क कर जानकारी हासिल कर रही है।

अप्रैल में भी पकड़े गए थे विश्नोई गैंग के तीन गैंगस्टर

अप्रैल में भी इंदौर से क्राइम ब्रांच की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जग्गू भगवानपुरिया और लॉरेंस विश्नोई गैंग के तीन गैंगस्टर को गिरफ्तार किया था। पंजाब में गैंगवार के चलते ये गैंगस्टर्स हथियार लेने इंदौर पहुंचे थे। क्राइम ब्रांच की टीम ने रासिम अरोड़ा, शिवम और पुनीत को हिरासत में लिया था। सिकलीगर से हथियार खरीदने पहुंचे बदमाशों के पास से दो देशी कट्टे, दो पिस्टल सहित जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि इन दिनों मध्यप्रदेश के खरगोन, बड़वानी और अलीराजपुर जैसे इलाके हथियारों की सप्लाई के नए और फेमस अड्डे बन चुके हैं। इन तीनों शार्प शूटरों को पुलिस ने बड़वानी के सिकरीकरो इलाके के ग्वालटोली के एक होटल से गिरफ्तार किया था। ये तीनों यहीं होटल में रुके हुए थे और हथियारों की खरीदफरोख्त और हथियारों के दलालों से लगातार मुलाकात कर रहे थे।

अस्पताल के एडमिनिस्ट्रेशन डायरेक्टर और साथियों के साथ मारपीट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के कनाड़िया इलाके में सेवाकुंज अस्पताल के एडमिनिस्ट्रेशन डायरेक्टर और उनके साथियों के साथ मारपीट हो गई। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। अभी उनकी तलाश की जा रही है।

कनाड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सेवाकुंज अस्पताल के एडमिनिस्ट्रेशन डायरेक्टर रोशन कुमार की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार शाम की है। रोशन कुमार अपने साथी शाह नवाज अंसारी, आंनद वैष्णव, पूणेन्द्र बचले, दीपक साहू बालेश्वर परिहार के साथ ड्यूटी खत्म होने के बाद घर जाने के लिये खड़ें थे। वही पर वाइस चांसलर प्रमोद गुप्ता ने रुकने के लिए बोला कि चेयरमैन सर आपसे बात करेगे। इसी दौरान एक व्यक्ति ने आते ही सीधे गाल पर चांटा मार दिया। तब मेरे आसपास के साथी आ गए। इसी बीच दूसरे व्यक्ति ने कार नंबर एमपी09डब्ल्यूएन0770 से बेसबाल का डंडा निकाल लिया। वह अपने साथी के साथ मारने दौडे। तभी शाह नवाज बीच में आ गया। आरोपी ने उसके सिर में डंडा दे मारा। इस दौरान दूसरे व्यक्ति ने आंनद वैष्णव के उपर बेसबाल के डंडे से हमला कर दिया। मौके अपूर्वा मिश्रा,आस्था चौहान और पूणेन्द्र बघेल ने बचाव की कोशिश की। इनके साथ आरोपियों द्वारा अभद्रता की गई। तभी गार्ड वहां पर भागते हुए आए तो एक व्यक्ति ने पिस्टल निकालने की बात की। इसके बाद आरोपी वहां से जान से मारने की धमकी देकर चले गए। घायल होने वाले शाहनवाज,आंनद वैष्णव और बालेश्वर परिहार को अस्पताल में एडमिट कराया। बाद में पुलिस को जानकारी दी। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

आज लगेगा रोजगार मेला,13 से ज्यादा पोस्ट के लिए कंपनियां लेंगी इंटरव्यू

इंदौर। जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप का मौका मिलने जा रहा है। युवा संगम कार्यक्रम के तहत संयुक्त रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। यह मेला जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केंद्र के तत्वावधान में 2 दिसंबर, सोमवार को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, नंदानगर में लगेगा। इसकी शुरूआत सुबह 11 बजे होगी और यह दोपहर 3 बजे तक चलेगा। रोजगार मेले में प्रतिभागियों को करियर बनाने के अवसर तो मिलेंगे ही, साथ ही बिजनेस शुरू करने के लिए लोन की प्रोसेस के बारे में गाइडेंस भी दी जाएगी। मेले में कई नामी कंपनियां युवाओं को रोजगार देंगी। इनमें शामिल हैंः आयशर, आईटीएल इंडस्ट्रीज,दिप्पी इंटर प्रायसेस, वाइट क्लीप, क्रेश कापोर्रेशन, निर्माण ऑर्गनाइजेशन, एसडी कंसल्टेंट, एसजीएस (मैनपावर), रूपरंग, मोजेक वर्क स्किल, अल्ट्रोज टेक्नोलॉजी, पटेल मोटर। ये कंपनियां करीब 350 से ज्यादा युवाओं को रोजगार का मौका देंगी। मेले में सेल्स एग्जीक्यूटिव, टेलीकॉलर, मशीन ऑपरेटर, पैकिंग, सेल्स, टीम लीडर, ड्राइवर, बैक ऑफिस, हेल्पर, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, और सुरक्षा गार्ड जैसी पोस्ट्स पर आकर्षक सैलरी पर रोजगार दिया जाएगा। कंपनियों के प्रतिनिधि प्रतिभागियों का इंटरव्यू लेकर प्रारंभिक रूप से सिलेक्शन करेंगे। उप-संचालक रोजगार पी.एस. मंडलोई ने बताया कि मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक भाग ले सकते हैं। आवेदक को हाई स्कूल, ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन में किसी भी विषय में पास होना चाहिए। तकनीकी योग्यताधारी (जैसे आईटीआई) आवेदक भी इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को अपने साथ सभी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाणपत्र, बायोडाटा की प्रतियां, आधार कार्ड व अन्य पहचान पत्र की फोटो प्रतियां लाना होंगी।

शादीशुदा ने खुद के कुंवारा बताकर की छात्रा से दोस्ती, फिर किया रेप

इंदौर। इंदौर में एक छात्रा साथ रेप करने का मामला सामने आया है। लसूड़िया क्षेत्र में रहने वाली कक्षा 12 वीं की छात्रा इसका शिकार हुई। आरोपी युवक ने खुद को अविवाहित बताया और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा,जबकि युवक की शादी चार साल पहले हो चुकी है और वह एक बच्चे का पिता भी है। जब छात्रा को इस बात का पता चला तो उसने अपने परिजनों के साथ थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई। आरोपी का नाम सिंगापुर टाउनशिप निवासी आकाश राजपूत है। उनसे छात्रा के साथ स्कूल आते-जाते समय पहचान की थी। धीरे-धीरे पहचान दोस्ती में बदली। फिर एक दिन उसने शादी का प्रस्ताव छात्रा के सामने रख दिया। छात्रा ने इनकार किया तो उनसे कहा कि वह सच्चा प्यार करता है और यदि शादी नहीं होगी तो वह आत्महत्या कर लेगा। वह लगातार शादी का दबाव बनाकर छात्रा को बहलाता-फुसलता रहा। एक दिन वह स्कूल के बाद छात्रा को सिंगापुर टाउनशिप स्थित अपने घर ले गया और वहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद उनसे कई बार छात्रा के साथ संबंध बनाए। आरोपी एक निजी कंपनी में काम करता है। छात्रा को एक दिन आरोपी के मोबाइल से पता चला कि वह शादीशुदा है और उसका एक बेटा भी है। छात्रा शादी की बात नहीं बताने से नाराज थी और इसकी वजह पूछी, तो आरोपी छात्रा को धमकी देने लगा।

उतरप्रदेश पुलिस की कार जा घुसी ट्रक में, एसआई और दो सिपाही घायल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के विजयनगर इलाके में रविवार अल सुबह तेज रफ्तार कार एक ट्रक में जा घुसी। बताया गया है कि ट्रक चौराहे से क्रॉस हो रहा था। तभी वहां से कार भी तेज रफ्तार निकल रही थी। कार में उतरप्रदेश पुलिस के एसआई और दो सिपाही बैठे थे। सभी को मामूली चोट आई, जिन्हें निजी अस्पताल भेजा गया हैं। पुलिस ने बताया कि घटना विजय नगर चौराहे की है। यहां पर रविवार करीब साढ़े चार बजे के लगभग सड़क हादसा हो गया। जिसमें उत्तर प्रदेश पासिंग कार नंबर यूपी 92 एपी 8722 तेज रफ़्तार से एबी रोड की तरफ आते हुए चौराहा पार कर रहे ट्रक नंबर एनपी 09 एचजी 8283 में आगे की तरफ से जा घुसी।

गुंडे-बदमाशों को सोशल मीडिया पर किया 'लाइक' तो होगी गिरफ्तारी!

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सोशल मीडिया पर गुंडे-बदमाशों को लाइक किया या उनकी पोस्ट पर कमेंट किया तो यह भारी पड़ सकता है। ऐसा करने वाले को पुलिस गुंडागर्दी को बढ़ावा देने के आरोप में गिरफ्तार कर सकती है। नगरीय सीमा में पुलिस ने 100 से ज्यादा अपराधियों की प्रोफाइलिंग की है। ये अपराधी मादक पदार्थों और हथियारों के साथ रील बनाकर फेसबुक-इंस्टाग्राम पर अपलोड करते हैं। डीसीपी जोन-1 विनोद कुमार मीना के मुताबिक जैसे-जैसे इंटरनेट का चलन बढ़ा अपराधियों ने स्वयं का प्रमोशन करना शुरू कर दिया। दहशतगर्दी के लिए अपराधियों ने नशा करते हुए वीडियो बनाकर अपलोड करना शुरू कर दिया। कई अपराधियों ने हथियारों का प्रदर्शन और केक काटते वीडियो बनाए। उनके फालोवर्स ने बढ़ावा देने के लिए कमेंट और लाइक भी किए।

साइबर टीम अब इस तरह कर रही काम

पुलिस की साइबर टीम अब ऐसे अपराधियों की छंटनी कर रही है।

आयुक्त कार्यालय में हुई एक बैठक में सीपी संतोष कुमारसिंह ने अवैध वसूली, चाकूबाजी जैसी घटनाओं में गिरफ्तार अपराधी का सोशल अकाउंट जांचने के निर्देश दिए हैं। पुलिस परिवार, रिश्तेदार, वकील, मददगार, जमानतदार, आय और फरारी के ठिकानों के साथ-साथ उनके फेसबुक, इंस्टाग्राम अकाउंट की भी जांच करेगी। आपत्तिजनक वीडियो पर लाइक, कमेंट और फारवर्ड करने वालों को भी पकड़ा जाएगा।

कुख्यात बदमाश के हैं हजारों फालोअर

डीसीपी के मुताबिक पुलिस ने हाल ही में मल्हारगंज थाना क्षेत्र से कुख्यात बदमाश अमन चिकना को पकड़ा। उसके हजारों की तादाद में फालोअर थे। पुलिस ने चिकना के अकाउंट से 54 लोगों को चिह्नित किया, जो आपराधिक गतिविधियों में लिप्त थे और चिकना को लाइक-कमेंट करते थे। चिकना रील बनाकर खुद की मार्केटिंग करता था। पुलिस ने उसका जुलूस निकाला और गिड़गिड़ाते हुए वीडियो बनाया। चिकना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और लोगों ने खूब कमेंट किए।

नाबालिगों की काउंसलिंग के लिए बनेगी सेल

डीसीपी के मुताबिक पुलिस ने अपराधियों को थाने बुलाकर डोजियर अपडेट करेगी। प्रमुख जानकारियों के साथ-साथ इंटरनेट मीडिया फ्रेंड्स की सूची भी संलग्न करेगी। पुलिस उनका वीडियो बनाने और अपलोड करने वालों पर भी कार्रवाई करेगी।

आयुक्त ने आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नाबालिगों की काउंसलिंग के लिए भी सेल बनाने के निर्देश दिए है। एनजीओ की सहायता से उन्हें समझाईस दी जाएगी। लगातार अपराध करने वाले नाबालिग के अभिभावकों को बाउंड ओवर किया जाएगा।

एम्स भोपाल को मिला इंटरनेशनल बेस्ट रिसर्चर अवार्ड, चिकित्सकों ने हार्ट रेट वेरिएबिलिटी पर किया था शोध

सूर्य नमस्कार से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में हो सकता है सुधार

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी स्थित एम्स लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार कर रहा है, वहीं शोध के मामले में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यहां के चिकित्सक राजधानी भोपाल के साथ भारत का मान बढ़ा रहे हैं। एम्स के चिकित्सकों को लगातार अंतरराष्ट्रीय अवार्ड से नवाजा जा रहा है। इसी कड़ी में एम्स के डॉ. वरुण मल्होत्रा और उनकी टीम को हार्ट रेट वेरिएबिलिटी पर किए गए अध्ययन के लिए इंटरनेशनल बेस्ट रिसर्चर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। तनुशा पाठक, डॉ. दानिश जावेद, डॉ. संतोष लक्ष्मण वकोडे, डॉ. अविनाश ठाकरे, डॉ. सुनील चौहान और डॉ. एफ. सिड्राल के साथ मिलकर किया गया यह शोध सूर्य नमस्कार और स्टेशनरी साइकिल व्यायाम समूहों के बीच हार्ट रेट वेरिएबिलिटी पैरामीटर्स का तुलनात्मक विश्लेषण पर आधारित है। यह सम्मान एम्स भोपाल की फिजियोलॉजी और माइंड-बॉडी मेडिसिन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता प्रदान करता है। यह पुरस्कार इंटरनेशनल साइंस, टेक्नोलॉजी और रिसर्च अवार्ड्स कांग्रेस 2024 में दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों टीम के कार्यों की सराहना

यह अध्ययन इस बात को साबित करता है कि सूर्य नमस्कार जैसी योग प्रथाओं को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है, साथ ही स्वायत्त तंत्रिका प्रणाली भी संतुलित होती है। यह शोध यह भी दिखाता है कि सूर्य नमस्कार हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और तनाव को कम करने के लिए एक प्रभावी तरीका है, जो सभी उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद है। यह पुरस्कार तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोय्यमोझी ने प्रदान किया, जहां अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने इस शोध टीम के कार्यों की सराहना की।

डायरेक्टर ने दी बधाई

प्रो. सिंह ने इस टीम को उनके क्रांतिकारी शोध के लिए अंतरराष्ट्रीय बेस्ट रिसर्चर अवार्ड प्राप्त करने पर बधाई दी। प्रो. सिंह ने कहा, यह सम्मान हमारे संस्थान के शैक्षिक और शोध क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में उभरा है। इस अध्ययन को प्रतिष्ठित इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योगा में प्रकाशित किया गया, जिसमें सूर्य नमस्कार और स्टेशनरी साइकिल व्यायाम के बीच हार्ट रेट वेरिएबिलिटी पैरामीटर्स की तुलना की गई। मुख्य निष्कर्षों में यह सामने आया कि सूर्य नमस्कार ने हार्ट रेट वेरिएबिलिटी में महत्वपूर्ण सुधार दिखाए, जिससे शरीर में विश्राम और रिकवरी से जुड़ी गतिविधियां बढ़ी और हृदय स्वास्थ्य में सुधार हुआ। वहीं, स्टेशनरी साइक्लिंग ने सामान्य व्यायाम लाभ तो दिए, लेकिन शरीर में तनाव और शारीरिक परिश्रम से जुड़ी गतिविधियों को अस्थायी रूप से बढ़ाया।

राजधानी के सभी 37 थानों में शुरू हुई साइबर हेल्प डेस्क

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी भोपाल के सभी 37 नगरीय थानों में रविवार से साइबर हेल्प डेस्क की शुरुआत हुई। हबीबगंज थाने में हॉर्टीकल्चर डिपार्टमेंट के रिटायर्ड असिस्टेंट डायरेक्ट की ने नई व्यवस्था में पहली शिकायत दर्ज कराई। रिटायर्ड अधिकारी जय गोविंद (65) हबीबगंज की लाला लाजपतराय सोसाइटी में रहते हैं। उन्होंने बताया कि स्नैपडील से 250 रुपए का एक प्रोडक्ट ऑर्डर किया था। तय समय में डिलीवरी नहीं होने पर गूगल से स्नैपडील का नंबर सर्च किया। इस नंबर पर कॉल किया, तो सामने वाले ने खुद को स्नैपडील कॉल सेंटर का कर्मचारी बताया। बोला कि आपने जो ऑर्डर दिया था, उसका अमाउंट ऑनलाइन जमा करना था। रुपए हमारी कंपनी के पास नहीं पहुंचे हैं। रिटायर्ड अधिकारी के मुताबिक, उन्होंने उसे बताया कि रुपए ट्रांसफर कर चुका हूं। इस पर उसने मदद के नाम पर एक वेब लिंक सेंड किया। बताया कि इसे ओपन कीजिए, जैसा बताया जा रहा है, वैसा करें।

तीन बार में 1.50 लाख रुपए कट गए

रिटायर्ड अधिकारी के लिंक ओपन करने और इसके इंस्ट्रक्शन फॉलो करने पर उनके अकाउंट से 3 बार में 1.50 लाख रुपए कट गए। उन्होंने आरोपी के नंबर पर दोबारा कॉल किया, तो कॉल लगा ही नहीं। मालूम हुआ कि आरोपी स्नैपडील का कर्मचारी नहीं है। उन्होंने ऑर्डर 15 सितंबर को किया था। 19 सितंबर को उनके साथ ठगी की वारदात हुई थी।

400 पुलिकसर्मियों पर डेस्क की जिम्मेदारी

पुलिस कमिश्नर हरीनारायणचारी मिश्रा ने हबीबगंज थाने में साइबर हेल्प डेस्क का इनॉग्रेशन किया। हेल्प डेस्क की जिम्मेदारी 400 पुलिस कर्मचारी संभालेंगे। इन सभी पुलिसकर्मियों 6 दिन की ट्रेनिंग दी गई।

5 लाख रुपए तक के फ्रॉड की शिकायत कर सकेंगे

भोपाल में साइबर क्राइम बढ़े हैं, इस वजह से इनकी शिकायतें भी पेंडिंग हैं। इसी वजह से साइबर हेल्प डेस्क की शुरूआत की गई है। पीड़ित 5 लाख रुपए तक के फ्रॉड की शिकायत कर सकेंगे। जल्द शिकायत होने से पीड़ित का पैसा साइबर पुलिस फौरन एक्शन में आकर होल्ड करा लेगी। इससे रिफंड होने की संभावना बढ़ जाती है।

भोपाल से गोवा के लिए फ्लाइट शुरू

एक घंटा 50 मिनट में सफर होगा पूरा

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी भोपाल से गोवा और गोवा से भोपाल आना जाना बेहद आसान होने वाला है, क्योंकि इंडिगो एयरलाइंस कंपनी ने रविवार को भोपाल टू गोवा की फ्लाइट शुरू कर दी है। यात्री अब भोपाल से गोवा तक का सफर महज एक घंटा 50 मिनट में पूरा कर सकेंगे। भोपाल सांसद आलोक शर्मा में इसका शुभारंभ किया है। इसकी बुंकिंग भी शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार यह फ्लाइट सप्ताह में 6 दिन संचालित होगी। न्यूनतम किराया 5 हजार से 5500 रुपए के बीच होगा। अभी तक भोपाल से गोवा के सीधे कोई फ्लाइट नहीं थी। अब गोवा जाने के लिए भोपाल के लोगों को दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट नहीं जाना पड़ेगा, अबतक यही से फ्लाइट लेना पड़ती थी। इसी माह में भोपाल एयरपोर्ट से गोवा की प्लाइट के साथ 4 नई उड़ानों की सुविधा भी शुरू हो रही है। एयर इंडिया की प्लाइट हैदराबाद, मुंबई और बैंगलोर के लिए उड़ान भरेगी । एअर इंडिया एक्सप्रेस 15 दिसंबर से बेंगलुरू, मुंबई, हैदराबाद के लिए चार नई उड़ाने शुरू करेगी। हालांकि अभी एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानों की बुकिंग शुरू नहीं हुई है, संभावना है कि इंडिगो की तरह एयर इंडिया भी इन उड़ानों की बुकिंग जल्द शुरू करेगा। यह फ्लाइट भोपाल के राज भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गोवा के डाबोलिम हवाईअड्डे तक चलेगी। शनिवार को छोड़कर यह हफ्ते में 6 दिन सेवाएं देगी। भोपाल से 180 सीटों वाली फ्लाइट गोवा के लिए उड़ान भरेगी। भोपाल से गोवा चलने वाली फ्लाइट का शुरुआती किराया 5000 से 5500 के बीच निर्धारित किया है। गोवा से प्रस्थान का समय दोपहर 1 बजे और भोपाल आगमन का समय दोपहर 2ः50 बजे है। फ्लाइट संख्या 6ई-366 गोवा से दोपहर 1 बजे उड़ान भरेगी जो 2.50 बजे भोपाल आएगी, जिसका फेयर 5,335 रहेगा। भोपाल से प्रस्थान का समय दोपहर 3ः20 बजे और गोवा आगमन का शाम 5ः10 बजे है। फ्लाइट संख्या 6ई-367 का भोपाल से डिपार्चर समय दोपहर 3.20 बजे, जो गोवा में शाम 5.10 बजे उतरेगी, जिसका फेयर 5,588 रुपए रहेगा।

कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर अब इंटरनेशनल लेवल के रूप में अपग्रेड होगा

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे (केबीटी) कन्वेंशन सेंटर को इंटरनेशनल लेवल के रूप में अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने 99.38 करोड़ रुपए मंजूर कर दिए हैं। वहीं ओरछा में टूरिस्ट सुविधाएं जुटाने के लिए 100 करोड़ रुपए दिए हैं। एमपी टूरिज्म बोर्ड के प्रस्ताव पर करीब 200 करोड़ रुपए मिले हैं। केंद्र से मिली राशि से केबीटी कन्वेंशन सेंटर में बैंक्वेट हॉल, देश की कला और संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए एग्जीबिशन एरिया, बिजनेस सेंटर, बैंक्वेट हॉल सहित आधुनिक तकनीक से युक्त सर्व सुविधाओं का विकास किया जाएगा। यह मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस और एग्जीबिशन्स के मानकों के अनुरूप कन्?वेंशन सेंटर को अपग्रेड कर विभिन्न सुविधाओं का विकास किया जाएगा। बैंक्विट हॉल सहित मीडिया सेंटर, बिजनेस सेंटर भी बनेंगे। करीब 3 साल पहले मिंटो हॉल का नाम बदला गया था। इसकी नींव 115 साल पहले वर्ष 1911 में रखी गई थी। इसे बनने में 24 साल लग थे। मिंटो हॉल मध्यप्रदेश के बनने से लेकर पहली सरकार के गठन तक का साक्षी रहा है। पहली सरकार ने शपथ इसी हॉल में लिया था। भवन की खूबसूरती देखते ही बनती है। पुरानी विधानसभा रहे मिंटो हॉल में कई सेलिब्रिटी आ चुकी हैं और इसकी खूबसूरती की तारीफ कर चुकी हैं। सरकार हॉल में विभिन्न आयोजन करती है। यही हॉल अब कुशाभाऊ ठाकरे के नाम से जाना जा रहा है और अब इंटरनेशनल लेवल पर अपग्रेड किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष सिंघार का आरोप- सरकार की खनिज माफिया से सांठगांठ

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मध्य प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने सिंगरौली जिले में माइनिंग अफसर का चार्ज देने के मामले में हाईकोर्ट के फैसले के बाद मोहन यादव सरकार को घेरा है। सिंघार ने एक्स पर किए ट्वीट में इसे भ्रष्टाचार को सरकारी संरक्षण मिलने का प्रमाण बताया है, जिसमें सर्वेयर को खनिज अधिकारी बनाने के सरकार के आदेश पर कोर्ट ने स्टे दिया।सिंघार ने कहा है कि ऐसी स्थिति प्रदेश के अन्य जिलों में भी है, जो मोहन सरकार की खनिज माफिया से साठगांठ का नतीजा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर लिखा है कि जब मुख्यमंत्री कमजोर हो, तो अफसर पूरी व्यवस्था पर हावी हो जाते हैं। ये मामला ऐसा ही है, जिसमें सिंगरौली जिले में एक सर्वेयर को खनिज अधिकारी का प्रभार दिया गया।

यह सब खनिज माफिया की साठगांठ और उन्हें रायल्टी की चोरी में छूट देने के लिए दिया गया लेकिन हाईकोर्ट में यह चालबाजी नहीं चली। अदालत ने इस अपात्र को अधिकारी बनाने पर स्टे दे दिया। इस कार्रवाई के खिलाफ असिस्टेंट माइनिंग आफिसर डॉ वीके तिवारी हाईकोर्ट गए थे। सिंघार ने लिखा है कि खास बात ये कि प्रदेश के कई जिलों में कार्यरत सर्वेयर और ड्राफ्ट्समैन अब प्रभारी खनिज निरीक्षक के प्रभार से मुक्त हो जाएंगे। उन्होंने सीएम पर तंज कसते हुए लिखा है कि मौन यादव को ऐसे प्रभार वाले खेल की जानकारी है भी या नहीं। आपकी कोई अफसर सुनता ही कहा है, पता भी होगा तो करेंगे क्या? उमंग सिंघार ने सीएम डॉ मोहन यादव के विदेश दौरे को लेकर रोजगार न मिलने की बात कही हैं। सिंघार ने ट्वीट कर कहा कि मुख्यमंत्री का विदेश से लौटने पर स्वागत है। प्रदेश के युवाओं को सीएम साहब के लौटने का बेसब्री से इंतजार था क्योंकि सीएम से उनकी बहुत सी उम्मीदें लगी हैं। मुख्यमंत्री बताए कि ब्रिटेन और जर्मनी के उद्योगपतियों को मोहर आप एमपी के लिए कितना निवेश लाए हैं?उससे प्रदेश के कितने युवाओं को रोजगार मिलेगा? मुझे आपके जवाब का इंतजार है, आंकड़ों में बताइए कि कितने निवेश का भरोसा दिलाया गया और कितने युवाओं को रोजगार मिला? गोल मोल जवाब मत दीजिए, जो आपकी आदत है।

बेटे के जन्मदिन से एक दिन पहले महिला ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल के ईंटखेड़ी में रहने वाली एक महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना शनिवार की शाम 4.30 बजे की है। अगले दिन रविवार को उसके बेटे का पहला जन्मदिन था। महिला के भाई ने जीजा और ससुराल वालों पर टॉर्चर करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रविवार की दोपहर को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। महिला अंगूरी अहिरवार (25) की शादी ढाई साल पहले भोपाल के बरखेड़ी हज्जमा ईंटखेड़ी निवासी जितेंद्र अहिरवार से हुई थी। 1 दिसंबर 2023 को महिला ने बेटे को जन्म दिया था। महिला का मायका सीहोर जिले के दोराहा में हैं। पिता किसान हैं, पति भी किसानी करते हैं। बीए ग्रेजुएट महिला संविदा शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रही थीं। उसके भाई धर्मेंद्र अहिरवार के मुताबिक शनिवार दोपहर को दीदी से फोन पर बात हुई थी। तब वह सामान्य बात कर रही थीं, किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया था। 17 दिन मायके में रहने के बाद शुक्रवार को ही ससुराल में लौटी थीं। धर्मेंद्र ने बताया कि हर छोटी बड़ी चीज पर उन पर बेहद सख्ती की जाती थी। घर के बरामदे में भी बिना अनुमति नहीं जा सकती थीं। खाना बनाती तो उस पर भी जीजा और सास एब निकालते थे।

तबलीगी इज्तिमा की तकरीरों में तालीम, भाईचारा, सामाजिक समरसता की बातें

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। 77वें आलमी तबलीगी इज्तिमा के तीसरे दिन भी सुबह से उलेमाओं की तकरीर और बयान का सिलसिला जारी है। सुबह से रात तक चलने वाली इन तकरीरों में तालीम, भाईचारा, सामाजिक समरसता और अल्लाह की इबादत एवं फरमा बरदारी की ताकीद की जा रही है। रविवार सुबह तक इस मजमे में करीब 7 लाख से ज्यादा लोग मौजूद हैं, जिनमें देशभर की जमातों के अलावा करीब 24 विदेशी देशों के मेहमान भी शामिल हैं। उम्मीद की जा रही है कि रविवार की छुट्टी और सोमवार सुबह होने वाली दुआ ए खास के चलते इस मजमे में और इजाफा होगा। दुआ ए खास में करीब 12 लाख लोगों की शिरकत की उम्मीद की जा रही है।

दीन को समझें, सबके लिए समभाव रखें

आलमी तब्लीगी इज्तिमा में दुनियाभर से आए मुसलमानों के बीच उलेमा इस्लामी शिक्षा, भाईचारे और सुधार का संदेश अपनी तकरीरों में दे रहे हैं। इस दौरान मौलाना जमशेद साहब ने इस्लामी जीवन के विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डाली। उन्होंने ईमान की ताकत, इस्लामी अदब और दीन के प्रचार-प्रसार की अहमियत पर जोर दिया। मौलाना ने कहा कि दीन का काम केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह एक इबादत है, जो इंसान को अल्लाह के करीब ले जाती है। इसी तरह मौलाना सईद साहब के बयान का केंद्र इस्लामी अखलाक और समाजी सुधार था। उन्होंने बताया कि इस्लाम सिर्फ इबादत का मजहब नहीं, बल्कि यह इंसानी जिंदगी के हर पहलू को संभालने वाला मजहब है। मौलाना ने मुसलमानों से अपील की कि वे अपने किरदार से इस्लाम का सच्चा संदेश दूसरों तक पहुंचाएं। अपनी तकरीर के दौरान मौलाना मंजूर साहब तौहीद और इखलास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को हर समय अल्लाह पर भरोसा रखना चाहिए और अपने सभी कामों में उसकी रजा को प्राथमिकता देनी चाहिए। हर शाम मगरिब की नमाज के बाद होने वाली खास महफिल को दिल्ली मरकज से आए मौलाना सआद साहब कांधलवी संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने अपने उद्बोधन में सामाजिक समरसता पर जोर दिया। उनका बयान इस्लामी एकता और उम्मत के सुधार पर आधारित है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में मुसलमानों को अपनी खामियों को दूर कर आपसी इत्तेहाद को मजबूत करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि दीन के काम को बढ़ावा देने के लिए हर मुसलमान को अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभानी होगी।

खिदमत से मिलता है खुदा...

आलमी तब्लीगी इज्तिमा आयोजन के दौरान शहर के कई ऐसे बाशिंदें नजर आए, जो पूरे चार दिन लोगों के आने से लेकर लौटते तक की उनकी सभी व्यवस्थाएं करने में जुटे रहें। यह पहला मौका नहीं है, वे कई सालों से हर साल इज्तिमा आने जाने वाले लोगों की खिदमत करते हैं। उनका मुख्य काम भोपाल आए लोगों को इज्तिमागाह तक छोड़ना और खाने-पीने का इंतजाम करना होता है। इसी तरह खिदमत में शामिल 93 साल के मोहम्मद शम्मू भी हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने इज्तिमा की शुरूआत से ही यहां आने जाने वाले लोगों की खिदमत की है, उस समय जब इज्तिमा शुरू हुआ था, तब वे हम्माली का काम किया करते थे। तबसे आज तक हर इज्तिमा में लोगों की खिदमत के इरादे से आते हैं। वे कहते हैं कि हालांकि, अब मेरे बस की नहीं बची है, फिर भी आता ही हूं। पुराने वक्त में हम तांगों से लोगों को यहां से ताजुल मसाजिद पहुंचाते थे। उस टाइम भी ट्रेनों से लोग 24 घंटे आया करते थे। मुझे याद है उस टाइम ताज उल मसाजिद में चिम्नियां जला करती थीं। इसी तरह भोपाल के रहने वाले मोहम्मद अख्तर (77) ने बताया कि वह इज्तिमा में करीब 50 वर्षों से खिदमत कर रहे हैं। पहले और अब के दौर में बहुत फर्क है।

लोग उस समय ट्रेनों से आना अधिक पसंद करते थे। भोपाल स्टेशन पर भारी भीड़ उतरती थी, हमारी कोशिश रहती थी कि लोगों की खिदमत या उनको मिलने वाली सुविधाओं को बेहतरी से पूरा करें। लोगों के आते थे हम अपने-अपने तांगे लेकर उन्हें ताजुल मसाजिद छोड़ दिया करते थे। उस टाइम ताजुल मसाजिद में भी बहुत अधिक इंतजाम नहीं हुआ करते थे, कई बार बारिश हो जाती थी तो कीचड़ मच जाती थी तो लोगों को आसपास की मस्जिदों में ठहराया करते थे। इसके अलावा वहां बहुत सारे महिलाएं आतीं थी जो बाहर खाना बनाने का काम किया करती थीं।

खर्च कर दी जिंदगी

तबलीग से सिखाई जाने वाली भलाई की बातें और खुद की जिंदगी में एक बेहतर अनुशासन कायम रखने की नीयत से लोगों का जमातों में निकलने का सिलसिला करीब सौ बरस पुराना हो चुका है। भोपाल इज्तिमा में पहुंचे लोगों में कुछ ऐसे भी हैं, जिन्होंने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा जमातों में गुजार दिया है। साथ ही कुछ ऐसे भी हैं, जिन्होंने दीन की इस महफिल को पहली बार अनुभव किया है।

सम्पादकीय

'बाल विवाह मुक्त भारत' सराहनीय और स्वागतयोग्य कदम

केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2029 तक बाल विवाह की दर को पांच फीसदी से नीचे लाया जाए। निस्संदेह, बाल विवाह जहां बच्चियों के मौलिक अधिकारों का हनन है, वहीं उनकी शारीरिक व मानसिक क्षमताओं को भी कमतर करता है। इससे जहां लड़कियों के अधिकारों का अतिक्रमण होता है, वहीं उनके शोषण का भी खतरा रहता है। पढ़ाई बीच में छूट जाने से उनके सपने मर जाते हैं। वहीं दूसरी ओर कम उम्र में शादी और बच्चे होने से उनको स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

हमारे देश में बाल विवाह की प्रथा को रोकने, बढ़ते बाल-विवाह से प्रभावित बच्चों के जीवन को इन त्रासद परम्परागत रूढ़ियों की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने के लिए सरकार ने बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत करके एक सराहनीय एवं स्वागतयोग्य उपक्रम से हिम्मत और बदलाव की मिसाल कायम की है। यह एक शुभ संकेत एवं श्रेयस्कर जीवन की दिशा है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत दूरगामी मानवीय सोच से जुड़ा एक संवेदनशील आह्वान एक नई सुबह की आहट एवं क्रांति के विस्फोट की संभावना है। यह अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक संकल्प है, एक रोशनी है, एक मंजिल है, एक सकारात्मक दिशा है। एक वादा है देशभर में बाल विवाह पर जागरूकता फैलाने और समाप्त करने का। यह नए भारत-सशक्त भारत की बुनियाद है। बाल विवाह रोकने के तमाम कार्यों, योजनाओं और कानूनों के बावजूद अगर कामयाबी नहीं मिल रही है, तो जाहिर है, एक विशेष अभियान छेड़कर केंद्र सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है। यह राष्ट्रीय अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई प्रमुख योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की सफलता से प्रेरित है, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लड़कियों के बीच शिक्षा, कौशल, उद्यम और उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं बेटियों की आशाओं, आकांक्षाओं, संकल्पों से भरे सपनों की उड़ान को खुला आसमान देने में सक्षम होगा। इक्कीसवीं सदी के भारत में यदि हर पांच में से एक लड़की का विवाह 18 साल से कम उम्र में हो जाए तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। पिछले एक वर्ष में दो लाख बाल विवाह कानून की सख्ती से रोके गए। निश्चित रूप से बाल विवाह मानवाधिकारों का उल्लंघन ही है। इससे बच्चियां ताउम्र पढ़ाई से वंचित हो जाती हैं और उनका शारीरिक व मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। सही मायनों में बाल विवाह कुपोषण एवं गरीबी का ऐसा चक्र पैदा करता है जिसकी कीमत राष्ट्र को चुकानी पड़ती है। चौंकाने वाले आंकड़े हैं कि पश्चिम बंगाल, बिहार व त्रिपुरा में 40 फीसदी लड़कियों के विवाह 18 साल से पहले हो जाते हैं। यही वजह है कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की है। दरअसल, यह शुरुआत उन राज्यों को लेकर की गई है,जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। तथ्य यह भी कि समाज में गरीबी और बाल विवाह में सीधा रिश्ता है। एक अध्ययन के अनुसार 75 फीसदी बाल विवाह गरीब परिवारों में होते हैं। जो कालांतर गरीबी के नये दुश्चक्र को जन्म देते हैं। निश्चित रूप से हमारे समाज में गरीबी व रूढ़िवाद के चलते इस कुप्रथा को बल मिलता है। अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि संपन्न, शिक्षित और प्रगतिशील समाजों में बाल विवाह के मामले सामान्यत॰ नजर नहीं आते। वहीं दूसरी ओर लिंगभेद की सोच भी इन विवाहों को बढ़ावा देती है। अभिभावक विषम परिस्थितियों के चलते अल्पवयस्क लड़कियों का विवाह करके जल्दी अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त होना चाहते हैं। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि स्वतंत्रता से पूर्व देश में वर्ष 1929 में बाल विवाह निषेध कानून बनने के बावजूद इस कुप्रथा पर अंकुश क्यों नहीं लग पाया। पहले धारणा थी कि असुरक्षाबोध के चलते बाल विवाह को बढ़ावा मिलता रहा है। कम से कम स्वतंत्र भारत में बाल विवाह की सोच नहीं रहनी चाहिए थी। निस्संदेह, राजग सरकार के दौरान बाल विवाह उन्मूलन के लिए सार्थक प्रयास किए गए। हालिया बाल विवाह मुक्त अभियान की शुरुआत से पहले भी सरकार ने इस दिशा में पहल की थी। इससे पहले वर्ष 2006 में बाल विवाह कानून में सुधार किया गया।

चुनावी लड़ाइयों में अमोघ अस्त्र बनी महिलाएं

हमारे देश की महिलाओं का मिजाज अलग है। वे खुद से ज्यादा परिवार के बारे में सोचती हैं। यही वजह है कि वे जाति, धर्म, क्षेत्र और भाषायी जंजालों में पड़े बिना सिर्फ उस पार्टी या नेता को चुनती हैं, जो उनके भले की बात करता है। अपने स्वार्थ से ही सही, पर भारतीय राजनीति शताब्दियों से पीछे धकेली गई महिलाओं को आगे लाने का नेक काम कर रही है। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह बेहद जरूरी है।

क्या आपको लगता है कि हमारे राजनेता जन-कल्याण में पर्याप्त ध्यान नहीं लगाते? वे चुनाव के समय सामाजिक दरारों को चौड़ा कर वोट जुटाते हैं और फिर उस वोट बैंक को बिसरा देते हैं? एक लोकप्रिय शोशा यह भी है कि राजनीति जन समस्याओं के समाधान के बजाय सिर्फ सत्ता प्राप्ति का जरिया बन चुकी है? इन सवालों का जवाब देने के लिए मैं आपको पिछले साल, यानी 2023 में वापस ले चलना चाहता हूं। उन दिनों मध्यप्रदेश में सत्ता-विरोधी लहर आसमान छू रही थी। उन्हीं विपरीत परिस्थितियों में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अचानक 'लाडली बहना योजना' की शुरुआत की और सारी 'एंटी इनकंबेंसी' हवा हो गई। वे तीसरी बार चुन लिए गए। यह बात अलग है कि भाजपा ने उनकी जगह भोपाल में नए नेतृत्व को मौका देना बेहतर समझा। इसके पहले हुए हिमाचल और कर्नाटक के चुनावों में भी कांग्रेस सिर्फ इसलिए वापसी कर सकी, क्योंकि उसने महिलाओं के लिए नई कल्याणकारी योजनाओं का वादा किया था।

चुनावी लड़ाइयों में अमोघ अस्त्र बन चुकी इन योजनाओं को वर्ष 2001 के तमिलनाडु चुनावों में जयललिता जयराम ने शुरू किया था। महिलाओं पर चले गए इस दांव से चेन्नई के सत्ता-सदन में उनकी जबरदस्त वापसी हुई थी। उनके बाद नीतीश कुमार ने इस जादुई मंत्र को आत्मसात किया। साल 2006 में उनकी सरकार ने फैसला किया कि कक्षा नौ में पढ़ने वाली सभी छात्राओं को साइकिल दी जाएगी। बिहार को जानने वाले जानते हैं कि वहां बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालयों की कमी है। छोटी बच्चियों को प्राइमरी स्कूल के बाद आस-पास के गांवों में स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालयों में जाना पड़ता है। अकसर उनकी पढ़ाई छूट जाती थी, क्योंकि घर में किसी सदस्य के पास प्रतिदिन उन्हें दूसरे गांव ले जाने और लाने की फुरसत नहीं होती थी। इस पुराने सिलसिले ने महिलाओं को पीछे धकेल दिया था। सरकार से मिली साइकिल ने उन्हें बंधन मुक्त कर दिया। मैंने खुद बिहार की सड़कों पर दर्जनों बच्चियों को खिलखिलाते हुए साइकिल पर स्कूल आते-जाते देखा है। वे पढ़ रही थीं, खुली हवा में सांस ले रही थीं और अपने अंदर इस विश्वास को संजो रही थीं कि वे एक नए बिहार की संरचना करेंगी। साइकिल योजना के लागू होने से पहले और बाद के बिहार में यदि सरकारी कार्यालयों में पुरुषों और महिलाओं के अनुपात, शिक्षा दर और अन्य सामाजिक पैमानों पर आर्पा्त्ररयों की भागीदारी आंकें, तो आश्चर्य में पड़ जाएंगे। नई उमर की इस नई फसल ने उन्हें सियासी फायदे भी पहुंचाए। 2010 के चुनाव में बिहारी पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं की भागीदारी अधिक रही। चुनाव आयोग के आंकड़े गवाह हैं कि 51.12 प्रतिशत पुरुषों ने और 54.49 फीसदी महिलाओं ने वोट डाले। बिहार के सामाजिक समीकरण ऐसे हैं कि नीतीश कुमार को सत्ता की सीढ़ी बिछाने के लिए भारतीय जनता पार्टी या अपने पुराने दोस्त लालू प्रसाद यादव की पार्टी का सहारा लेना पड़ता है। नीतीश कुमार अकेले सत्ता हासिल नहीं कर सकते, लेकिन उनके बिना ये दोनों पार्टियां भी हुकूमत में आने की स्थिति में नहीं हैं। इसी का नतीजा है कि एक छोटे अंतराल को छोड़ नीतीश कुमार 19 वर्षों से काबिज हैं। अप्रैल 2016 में शराबबंदी का निर्णय कर वे आधी आबादी के और अधिक दुलारे बन चुके हैं।

पटना के इन शुरुआती प्रयोगों के बाद पश्चिम बंगाल, दिल्ली, ओडिशा, मध्यप्रदेश, कर्नाटक और हिमाचल में तमाम पार्टियों ने महिलाओं के हक में अनेक फैसले किए। मौजूदा चुनाव परिणाम इसका उदाहरण है कि किस तरह महिलाओं की भागीदारी सत्ताओं को उखाड़ सकती है या पुरानी सरकार को दोबारा जमे रहने के लिए खाद-पानी मुहैया करा सकती है। हरियाणा में हवा कांग्रेस के पक्ष में थी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प-पत्र में लाडली लक्ष्मी योजना की घोषणा की। इसके तहत हर महीने महिलाओं को 2,100 रुपए मिलेंगे। साथ-साथ अव्वल बालिका योजना के तहत कॉलेज जाने वाली हर ग्रामीण लड़की को स्कूटी मुहैया कराने का वादा किया गया। यही नहीं, हर घर गृहिणी योजना के तहत 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर दिए जाने का भी आश्वासन दिया गया। नतीजतन, सारी सत्ता विरोधी लहर हवा हो गई और भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में कामयाब रही। पिछले हफ्ते महाराष्ट्र और झारखंड में भी यही हुआ। शिंदे सरकार की लाडकी बहिण योजना और हेमंत सोरेन की मंइयां सम्मान योजना ने महिलाओं को लामबंद करने में जबरदस्त भूमिका अदा की। दोनों सत्ता बचाने में कामयाब रहे।

हमारे देश की महिलाओं का मिजाज अलग है। वे खुद से ज्यादा परिवार के बारे में सोचती हैं। यही वजह है कि वे जाति, धर्म, क्षेत्र और भाषायी जंजालों में पड़े बिना सिर्फ उस पार्टी या नेता को चुनती हैं, जो उनके भले की बात करता है। अपने स्वार्थ से ही सही, पर भारतीय राजनीति शताब्दियों से पीछे धकेली गई महिलाओं को आगे लाने का नेक काम कर रही है।

एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह बेहद जरूरी है। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई कल्याण योजनाओं पर नजर डालनी जरूरी है। कोरोना के वक्त से शुरू हुई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना ने गरीबों के एक बड़े वर्ग को न केवल जिंदा रखा, बल्कि उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी किया। यह सर्वविदित है कि जब पेट भर जाता है, तो कोई भी अपने परिवार की बेहतरी और बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देता है। एक बार अन्न संबंधी चिंता से मुक्त होने के बाद देश के 81 करोड़ से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य, शिक्षा और ऐसी ही अन्य मूलभूत आवश्यकताओं पर खर्च करना शुरू किया। इससे न केवल उनका जीवन बदला, बल्कि देश के जीडीपी में भी सुधार आया। इसी तरह, स्वच्छ भारत मिशन के तहत हर घर शौचालय योजना ने महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा और सम्मान को बुलंद किया। केंद्र सरकार अब तक महिलाओं को 11.6 करोड़ निजी शौचालय मुहैया करा चुकी है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से भी देश भर की 10.27 करोड़ से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुई हैं।

यह लाभार्थी वर्ग एक नए सियासी और सामाजिक समुदाय के तौर पर उभरा है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लागू इन कार्यक्रमों का वैसा ही दूरगामी प्रभाव पडेगा, जैसा कभी दलितों-पिछड़ों के आरक्षण, शारदा एक्ट अथवा सती प्रथा उन्मूलन कानून ने किया था। आप पूछ सकते हैं कि यदि यह दांव इतना कारगर है, तो हमारे राजनीतिज्ञ समाज बांटने के नारे क्यों लगाते हैं? इस थोथी नारेबाजी के स्थान पर अगर सियासी सूरमा अपना रिपोर्ट-कार्ड लेकर जनता के समक्ष हों, तो भारतीय मतदाता उन्हें निराश नहीं करेंगे। ये योजनाएं मंडल और कमंडल से अधिक कारगर और कल्याणकारी हैं, लेकिन हमारी माननीय बिरादरी आदत से मजबूर है।

हालांकि, इस मुद्दे का स्याह पहलू भी है। मतदान में महिलाओं की हिस्सेदारी निर्णायक तौर पर भले बढ़ रही हो, पर सत्ता-सदनों में उनकी संख्या अभी तक नाकाफी है। उम्मीद है, हमारे नेता इस ओर भी नजर डालने का कष्ट करेंगे। बता दें कि एक साल, यानी नवंबर 2023 से नवंबर 2024 के बीच 13 राज्यों में चुनाव हुए हैं। इनमें 9 में लाडली बहना जैसी स्कीम लागू की गई या वादा किया गया। इनमें से 8 राज्यों में योजना कारगर रही।

मिलावट को रोक दें तो कैंसर जैसे कई रोग खत्म हो जाएंगे

यदि कोई व्यक्ति यह दावा करे कि उसका पेशेंट कैंसर के प्रमाणिक इलाज के बिना सिर्फ प्राकृतिक चिकित्सा के जरिये स्वस्थ हो गया, तो आधुनिक चिकित्सा विज्ञान इसे स्वीकार नहीं करेगा। पुख्ता प्रमाणों के अभाव में यह चिकित्सा विज्ञान की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। यह दलील अतार्किक हैं। जिन सज्जन के दावों से पिछले दिनों यह नई बहस शुरू हुई, उनके पेशेंट ने पूरे छह महीने तक कीमो व रेंिएशन थैरेपी ली थी। ऐसे में इस प्रकार से दी गई दलीलों की वैज्ञानिक आधार पर व्याख्या नहीं हो सकती। इस बाबत अभी कई अध्ययन हो रहे हैं। निश्चित रूप से इन उपचारक अवयवों का सप्लीमेंट के रूप में तो रोल हो सकता है, लेकिन यह सिर्फ सपोर्टिव रोल तक ही सीमित है। हल्दी में जरूर कुछ एंटी कैंसर तत्व पाए जाते हैं। लेकिन यदि हम कह दें कि सिर्फ हल्दी, नीम, तुलसी के पत्तों से कैंसर ठीक हो गया, ये दावा गले नहीं उतरता हैं। यह गंभीर उपचार का ओवर सिंपलीकेशन ही कहा जाएगा। इसका ठोस एविंसि नहीं। जब कोई कहता है कि मीठी चीजों व ेंरी उत्पाद से परहेज तथा व्रत रखने से कैंसर सेल्स मर जाते हैं तो संभव हो इसका कुछ प्रभाव होता हो, लेकिन अभी इसका कोई वैज्ञानिक एविंसि उपलब्ध नहीं है। कई बीमारियों में इससे फायदा हो सकता हो, लेकिन अंतिम निष्कर्ष वैज्ञानिक ही देंगे। चिकित्सा विज्ञान में साइंटिफिक एविंसि के बाद ही कोई दावा किया जा सकता है।

जहां तक हमारे खानपान व खुराक की कोई उपचारात्मक भूमिका का सवाल है तो इसमें दो राय नहीं कि कैंसर का एक बाि कारण मोटापा ही है। कोई सात-आठ तरह के कैंसर होते हैं मोटापे से जिनमें लीवर, पेट, प्रोस्टेट, ब्रेस्ट, पैनक्रियाज का कैंसर भी शामिल है। यदि आपकी ाइट ठीक नहीं है, तो निश्चय ही उसका नकारात्मक प्रभाव आपके शरीर पर पिता है। यदि आपकी ाइट में कम फाइबर है, प्रोसेर्स फू ज्यादा है तो इनकी कैंसर में भूमिका हो सकती है। ेंरी प्रॉक्टि ज्यादा फैट बढ़ाते हैं। भूखा रहने से कैंसर न होगा, यह तथ्य भी तर्क की मानक कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। आजकल इंटरमिटेंट फास्ट की बात की जाती है। इसके प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है। निस्संदेह, देश में बहुत सारी चिकित्सा पद्धतियां प्रचलित हैं। मैं यह नहीं कहता कि एलोपैथी सिस्टम अंतिम सत्य है। लेकिन इसमें कैंसर हो या कोई और बीमारी, उसका इलाज संभव है। कई मरीज ठीक होते हैं, कई नहीं भी होते। लेकिन इसका आधार साइंटिफिक है। लाखों मरीजों का इलाज होता है। इसके साइंटिफिक एविंसि उपलब्ध हैं। जहां तक आयुर्वेद, तिब्बती व यूनानी चिकित्सा पद्धति का सवाल है तो वे भी एक सिस्टम को फॉलो करते हैं। उनकी अपनी दवाइयां होती हैं। योग निश्चित रूप से स्वास्थ्य के लिये बेहद उपयोगी होता है। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य में उसकी भूमिका होती है। योग वेट लॉस में मदद करता है। केवल कैंसर नहीं, सभी बीमारियों में यह सहायक होता है। निश्चय ही देश में कैंसर के मामले तेजी से बढ़े हैं। निस्संदेह, देश व दुनिया में कैंसर महामारी की तरह बढ़ रहा है, लेकिन भारत तेजी से मधुमेह की राजधानी बनता जा रहा है जिसमें सबसे ज्यादा लाइफ स्टाइल का रोल है। ाइट का रोल हर रोग में होता है। एक बार कैंसर हो गया तो प्रीवेन्शन के उपाय जरूरी हैं। लेकिन ट्रीटमेंट न करें तो लाभ संभव नहीं है।

निस्संदेह मेंिकल साइंस ने काफी उन्नति की है लेकिन ट्रीटमेंट इसकी प्राथमिकता है। प्रीवेंशन में बहुत अधिक काम करने की जरूरत है। जहां तक कैंसर बढ़ने के कारणों की बात है तो हमारी जीवन प्रत्याशा बढ़ना भी एक बाि कारण है। पहले हमारी औसत आयु पचास से साठ साल के बीच होती थी, अब ेंप से त्त्ञ् तक सामान्य हो चला है। जिसकी वजह से भी कैंसर बढ़ा है। हम कैंसर को नहीं रोक सकते। लेकिन लाइफ स्टाइल मोिंफिकेशन का इसमें पक्का प्रभाव पढ़ता है। लेकिन यह कैंसर को रोक देगा, ऐसा संभव नहीं है। उदाहरण स्वरूप देखिए बच्चों की लाइफ स्टाइल सहज होती है, उनमें भी कैंसर के मामले सामने आते हैं। दरअसल, जेनिटिक सिस्टम में म्यूटेशन व रोटेशन की वजह से कैंसर के मामले सामने आते हैं। कुछ लोग दलील देते हैं कि शराब, तंबाकू का सेवन न करने वाली महिलाओं को भी ब्रेस्ट कैंसर हो जाता है। यह चिंता की बात है कि पूरी दुनिया में महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर कॉमन होता जा रहा है। यूरोप व अमेरिका में इतना ज्यादा है कि हर आठ में से एक महिला इसकी शिकार है। दरअसल, यह मोटापे व लाइफ स्टाइल की खामियों के चलते भयावह रूप लेता जा रहा है। लेकिन अभी भी ठोस कारणों की तलाश जारी है।

हालांकि, अधिकांश ब्रेस्ट कैंसर के मामलों का मुख्य कारण नहीं पता, लेकिन यह सब तो होता है। इसमें बच्चों को अपना दूध न पिलाना भी एक कारण है। कुछ महिलाओं को समय पहले महावारी शुरू होना, देर से बंद होना है। साइंटिफिक कारण एस्ट्रोजन हार्मोन का एक्सपोजर है। यदि ऐसा होगा कि ब्रेस्ट कैंसर होने के चांसेज बढ़ जाते हैं। पहले महिलाओं के बच्चे 6ञ् से 69 की उम्र में हो जाते थे। अब देर से शादी होने से 7ञ् से 79 साल की उम्र में होते हैं। कम बच्चे होना भी कारण है। ये कारक हैं लेकिन ये ही अंतिम कारण नहीं हैं।

कुछ लोग मानते हैं कि कीमो थरेपी ज्यादा प्रभावी नहीं है, लेकिन उपचार का एक सिस्टम है। कीमो, रेंिएशन,सर्जरी और हारमोनल थैरपी भी इसमें शामिल हैं। अब इम्यूनो थैरेपी व टारगेर्टे थैरेपी के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। काफी समय में बहुत सारे मरीज ठीक होते हैं। जो ठीक न हुए वे ठीक होने की उम्मीद रखते हैं। ये क्रॉनिकल ंिजीज है। उपचार लंबे समय तक चलता है। जैसे हाइपर टेंशन है, इसे जि से खत्म नहीं कर सकते। ाइबिटीज को क्योर नहीं कर सकते। उसको कंट्रोल कर सकते हैं, आजीवन नहीं काफी समय तक।

ऐसे ही कैंसर को कंट्रोल में काफी समय लगता है। अकसर कहा जाता है कि कीमो थैरेपी के नकारात्मक प्रभाव भी होते हैं। स्वास्थ्यवर्धक व्हाइट सेल्स को भी नुकसान पहुंचता है। निस्संदेह, हर चिकित्सा पद्धति के साइि इफेक्ट होते हैं। दुनिया में कोई ट्रीटमेंट ऐसा नहीं है जिसके साइि इफेक्ट न हों। हमारे पास उसका उपचार भी है। जैसे ब्लि थैरेपी है। प्लेटलेट से उपचार है। ये टेंपरेरी स्थिति है। देखना चाहिए कि पेशेंट को फायदा कितना व नुकसान कितना है। यदि फायदा ज्यादा है तो उसकी सार्थकता है। हम लांग टाइम साइि इफेक्ट देखते हैं।

प्रशासन बनाम प्रबंधन: भारत को क्या चाहिए?

भारत, जहां आजादी के 75 साल बाद भी विकासशील देश का तमगा हटाने की चुनौती है, वहां प्रशासन और प्रबंधन की भूमिका पर पुनर्विचार आवश्यक है। पारंपरिक प्रशासनिक ढांचा, जिसे स्थिरता और नियमबद्धता का प्रतीक माना जाता है, अब तेजी से बदलती वैश्विक और राष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं दिखता। प्रबंधन, जो लचीलापन और परिणामोन्मुखता पर आधारित है, समय की मांग बनता जा रहा है।

भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था मुख्यत: ब्रिटिश औपनिवेशिक तंत्र पर आधारित है, जिसका उद्देश्य स्थिरता और नियंत्रण बनाए रखना था। प्रशासनिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और अनुशासन तो है, लेकिन इसका अत्यधिक जटिल और धीमा स्वरूप इसे अक्षम बना देता है। वुडलो विल्सन के अनुसार, प्रशासन िराजनीति से परेि होना चाहिए, लेकिन भारत में यह अक्सर राजनीति और नौकरशाही के मकड़जाल में उलझा हुआ प्रतीत होता है।

सरकारी योजनाओं में विलंब, परियोजनाओं का बढ़ता बजट और संसाधनों का दुरुपयोग प्रशासन की सीमाओं को उजागर करता है। उदाहरण के तौर पर, कई सरकारी परियोजनाएं सालों तक कागजों में ही रहती हैं, जबकि निजी प्रबंधन के अंतर्गत इसी तरह की परियोजनाएं समय पर पूरी हो जाती हैं।

मैक्स वेबर के िआधुनिक संगठनों और पीटर ड्रकर के िप्रबंधन सिद्धांतोंि के अनुसार, प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर परिणामों को अधिकतम करना है। यह दृष्टिकोण भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक है, जहां समस्याएं बड़ी हैं और संसाधन सीमित ।वहीं पीटर ड्रकर ने कहा था, िप्रबंधन का उद्देश्य प्रदर्शन को बढ़ाना है, न कि केवल प्रक्रियाओं को बनाए रखना।ि भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा और डिजिटल परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में प्रदर्शन आधारित दृष्टिकोण की कमी स्पष्ट दिखती है। प्रबंधन न केवल तेज़ निर्णय लेने में मदद करता है, बल्कि समस्याओं के रचनात्मक समाधान भी प्रदान करता है।

इस संबंध में इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति का ताजा बयान बहुत महत्वपूर्ण है। नारायण मूर्ति ने हाल ही में एक बयान में कहा, िभारत को 70 घंटे काम करने वाले राष्ट्र के रूप में पहचान बनानी चाहिए।ि उनका यह कथन केवल कड़ी मेहनत की ओर इशारा नहीं करता, बल्कि उत्पादकता और कुशलता को बढ़ाने की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित देशों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने कार्यप्रणाली को आधुनिक और परिणामोन्मुख बनाना होगा।

नारायण मूर्ति का यह बयान प्रशासन और प्रबंधन के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है। यदि प्रशासनिक प्रक्रियाएं कुशल हों और प्रबंधन पर आधारित हों, तो लोगों की उत्पादकता स्वत: बढ़ जाएगी। सरकारी संस्थानों में धीमी प्रक्रियाओं और नौकरशाही के कारण समय की बर्बादी होती है, जिसे प्रबंधन की कुशलता से कम किया जा सकता है।

प्रबंधन का मतलब यह नहीं है कि प्रशासन को पूरी तरह त्याग दिया जाए। प्रशासनिक ढांचा स्थिरता और जवाबदेही के लिए आवश्यक है, लेकिन इसे प्रबंधन की आधुनिक सोच और नवाचार के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी ने स्थानीय स्वायत्तता पर जोर दिया था, जो प्रबंधन आधारित दृष्टिकोण के लिए एक प्रेरणा बन सकता है।

सार्वजनिक और निजी भागेदारी की भी हमारे देश में बहुत जगहों पर आवश्यकता है ।भारत में मेट्रो रेल परियोजनाएं, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे कार्यक्रम प्रबंधन और प्रशासन के संतुलन का उदाहरण हैं।

भारत को प्रशासनिक ढांचे में प्रबंधन के प्रशिक्षण, डिजिटलीकरण, परिणाम आधारित मूल्यांकन, सार्वजनिक-निजी भागीदारी तथा लचीलापन जैसे सुधार करने की बहुत आवश्यकता है। भारत को प्रशासन और प्रबंधन के बीच संतुलन साधने की आवश्यकता है। स्थिरता और नियमबद्धता के साथ-साथ लचीलापन और नवाचार को अपनाया जाना चाहिए। नारायण मूर्ति का सुझाव केवल व्यक्तिगत मेहनत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकार और संस्थानों के काम करने के तरीके में भी बदलाव का आह्वान करता है। यदि भारत प्रशासनिक प्रक्रियाओं में प्रबंधन को शामिल करता है, तो यह न केवल तेजी से विकास कर सकता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाला एक सशक्त राष्ट्र भी बन सकता है। िसशक्त शासन का उद्देश्य प्रक्रियाओं में नहीं, बल्कि परिणामों में होना चाहिए।

(राजीव खरे- ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

कर्तव्य फाउंडेशन के तत्वावधान में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ
चित्रगुप्त नगर, भिंड स्थित कर्तव्य फाउंडेशन के तत्वावधान में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में डॉक्टर विधि अग्रवाल ने बच्चों को दांतों की देखभाल के महत्व और सही तरीके से ब्रश करने की प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया। उन्होंने दांतों की बीमारियों से बचने के आसान उपाय भी साझा किए। डॉक्टर गौरव अग्रवाल और डॉक्टर विधि अग्रवाल ने मिलकर लगभग 100 लोगों के दांतों का नि:शुल्क परीक्षण किया और आवश्यक परामर्श प्रदान किया। इसके साथ ही, प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शैलेंद्र परिहार ने सर्दियों में हृदयाघात (हार्ट अटैक) से बचने और आपात स्थिति में सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) की महत्ता पर जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को सटीक तकनीक के साथ सीपीआर देना सिखाया और आपात स्थितियों में जीवन बचाने के अन्य महत्वपूर्ण उपायों पर चर्चा की। इस अवसर पर कर्तव्य फाउंडेशन के संचालक और अंग्रेजी शिक्षक नितिन दीक्षित ने अंत में तीनों अतिथियों—डॉक्टर गौरव अग्रवाल, डॉक्टर विधि अग्रवाल और डॉक्टर शैलेंद्र परिहार—को फाउंडेशन की ओर से प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। यह शिविर स्थानीय निवासियों और विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक साबित हुआ। स्थानीय समुदाय ने कर्तव्य फाउंडेशन के इस प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

बांग्ला देश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आम सभा 3 को : डॉ रमेश दुबे

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ
भिण्ड, बांग्लादेश में हिन्दू धर्मावलंबियों के साथ लगातार चल रहे दमन चक्र और हिंसा के विरोध कर हर हिन्दू विचारधारा के व्यक्ति अपना विरोध दर्ज कराएं।उक्त वक्तव्य देते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ रमेश दुबे ने कहा कि राष्टीय स्वयं सेवक संघ के सर कार्यवाह श्री होसबले जी के आव्हान पर आगामी 3 दिसंबर मंगलवार को दोपहर 2 बजे बद्री प्रसाद की बगिया पर सभी हिन्दू जन उपस्थिति होकर संगठित रूप से खंडा रोड पहुंचेंगे जहां पर सनातन हिन्दू धर्मावलंबियों की एक विशेष आवश्यक सभा का आयोजीत की जाएगी जिसमें संघ और भाजपा सहित हिन्दू संगठनों के प्रमुख लोग कार्यक्रम की संबोधित करेंगे।उक्त आशय की जानकारी देते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ रमेश दुबे ने बताया है कि राष्टीय

स्वयं सेवक संघ के सर कार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को बन्द करने और श्री कृष्ण भगवान की भक्ति और उनके सिद्धांतों पर जीवन जीने की प्रेरणा देने वाली हिन्दू धर्म की अंतर्राष्टीय संस्था इस्कॉन के एक प्रमुख संन्यासी श्री चिन्मय कृष्ण दास और और अन्य सभी संतो को कारावास से मुक्त करने की मांग की है और बंगलादेश की नई सरकार द्वारा वहां के अल्प संख्यक हिन्दुओं पर किए जा रहे अन्याय पूर्ण हिंसक कृत्यों और कार्यवाहियों की कठोर भर्त्सना और निंदा की है। बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टर पंथियों को वहां की सरकार और सेना ने खुली छूट दे रखी है जिसके चलते हिन्दू युवकों ,वयस्क पुरुषों,महिलाओं और बच्चों के साथ बर्बरता की जा रही है हिंदुओं की हत्या ,आगजनी,लूटपाट, का दौर चल रहा है। जो अभी तक बंद नहीं है। बांग्लादेश में चल रहे इस अन्याय के खिलाफ स्वयंसेवक संघ के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी और भाजपा सहित समस्त हिन्दू वादी संगठनों के कार्यकर्ता पदाधिकारी और हर आम हिन्दू से विनम्र अपील की जा रही है कि वह सभी बांग्लादेश सरकार द्वारा किए जा रहे अन्याया के खिलाफ अपनी आवाज उठाते हुए अपना संगठित विरोध दर्ज कराने इस महत्वपूर्ण सभा में अवश्य उपस्थिति होने की अपील की है।

मोन्ट फोर्ट स्कूल गागलहेडी के विद्यार्थियों का एक दल मानव मन्दिर स्थित वृद्धा आश्रम में पहुँचा और बुजुर्गों के साथ अपनी छुट्टी बिताई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ गागलहेडी। सहारनपुर, मोन्ट फोर्ट स्कूल गागलहेडी के विद्यार्थियों का एक दल रविवार को मानव मन्दिर स्थित वृद्धा आश्रम में पहुँचा और बुजुर्गों के साथ अपनी छुट्टी बिताई। अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव ने भी बच्चों के साथ वृद्धा आश्रम में सेवा की बुजुर्ग भी विद्यार्थियों को अपने बीच में देखकर प्रसन्न हुए। विद्यार्थियों ने बुजुर्गों के साथ अपना एक नया सामाजिक सम्बन्ध कायम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मोन्ट फोर्ट स्कूल गागलहेडी के विद्यार्थियों के एक दल ने अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव के साथ मानव मन्दिर स्थित वृद्धाश्रम में पहुंचकर बुजुर्ग व्यक्तियों की सेवा की एवं उनकी व्यथा को सुना। इस दौरान विद्यार्थियों ने बुजुर्गों के लिए अपने हाथ से बनाकर लाये गये खाने को खिलाया व अपनी पॉकेट मनी से बचाए गए पैसों से फल व बिस्कुट आदि खरीदकर उन्हें वितरित किए। अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव द्वारा विद्यार्थियों को अपने बुजुर्गों की सेवा व देखभाल करने की शपथ दिलवाई गई। अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव ने कहा कि बुजुर्ग हमारे आदर्श होते हैं, हमें उनका हमेशा आदर करना चाहिए व उनके जीवन से सीख लेकर उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए। आज के बदलते परिवेश में नई पीढ़ी संस्कार विहीन होती

जा रही है। जिसके कारण हमारे समाज में वृद्धाश्रम का चलन बढ़ रहा है। प्रबन्धक पंकज गर्ग ने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना पैदा करना ही इस वृद्धाश्रम में भ्रमण का मुख्य उद्देश्य है। प्रबंधक कमेटी के सदस्य रवि गुप्ता ने कहा कि आज का इंसान मतलबी हो गया है, वह अपने माता-पिता को दर-दर की ठोकरें खाने के लिए छोड़ देता है। इस वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्ग अपनों के ही ठुकराये हुए हैं। बच्चों में अपने बुजुर्गों के प्रति सम्मान पैदा हो, इसीलिए उनको वृद्धाश्रम में लाया गया है। प्रबंध कमेटी के सदस्य दिनेश गुप्ता व बृजेश गुप्ता ने कहा कि वृद्धाश्रम में पहुंचकर बच्चों ने बुजुर्गों के साथ उनकी जिन्दगी के बीते पलों को साझा किया। अवणी, इफला, अर्शी, फातिमा, सिमरन, रिद्धिमा, आस्था, कनिका, नव्या, अक्षत, ओजस, विधि, दिव्यांशी आदि बच्चों ने सभी बुजुर्गों से मिलकर उनके दुखों को साझा किया। बुजुर्गों ने भी विद्यार्थियों को अपने बीच पाकर खुशी का इजहार किया व बच्चों को सीख देते हुए कहा कि माता-पिता की मेहनत व आशीर्वाद से विद्यार्थी हर मंजिल पा सकते हैं। वृद्धाश्रम के प्रबन्धक ने कॉलेज की प्रबन्ध समिति को धन्यवाद देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ संस्कार का समावेश होना भी जरूरी है, तभी हम विद्यार्थी को एक अच्छा इंसान बना सकते हैं तथा अच्छा इंसान ही अच्छे समाज व देश की रचना करते हैं। इस अवसर पर कॉलेज की अध्यापक सारिका शर्मा, विभा शर्मा, मनोज यादव, प्रवीण, सोनू, अमित व काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाकियू महाशक्ति ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा

गांगनौली की बजाज शुगर मिल ने पिछले वर्ष का पूरा गन्ना भुगतान अभी तक नहीं किया है, जिसके चलते किसान आर्थिक संकट से गुजर रहे है - प्रियदीप

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) ने एसडीएम कार्यालय परिसर में बैठक करते हुए किसानों की विभिन्न समस्याएं पुरजोर तरीके से उठाई। साथ ही मांगों से संबंधित ज्ञापन एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा। बैठक में पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष प्रियदीप ने कहा कि गांगनौली की बजाज शुगर मिल ने पिछले वर्ष का पूरा गन्ना भुगतान अभी तक नहीं किया है। जिसके चलते किसान आर्थिक संकट से गुजर रहे है। जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने कि कहा पराली जलाने पर किसान के ऊपर जुर्माना लगाना दुर्भाग्यपूर्ण है। तहसील अध्यक्ष अरविंद शर्मा ने कहा कि गन्ना

क्रय केंद्रों पर हो रही घटतौली को रोकने के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए। बैठक के बाद किसानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम देवबंद दीपक कुमार को सौंपा। इस दौरान अरविंद त्यागी, बालेंद्र त्यागी, रविंद्र त्यागी, डा. जितेंद्र, हिमांशु गुर्जर, मलकीत सिंह, ईशान, अलीम नंबरदार, दीपक त्यागी, मोहित शर्मा आदि मौजूद रहे ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई नागरिक सुरक्षा के आपातकालीन सेवाओं के आफिसर कमांडिंग की बैठक

सीएफओ नागरिक सुरक्षा कार्मिकों को अग्नि बमों से सुरक्षा के लिए करें प्रशिक्षित- डीएम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में नागरिक सुरक्षा के आपातकालीन सेवाओं के आफिसर कमांडिंग की वर्ष में होने वाली बैठक आहूत की गयी। बैठक में डीएम मनीष बंसल ने विभाग द्वारा नागरिक सुरक्षा की योजना बनाने एवं उसका प्रचार-प्रसार कर आमजनमानस में हवाई हमले एवं आपदा से बचाव संबंधी अग्निशमन, प्राथमिक चिकित्सा, भूकम्प, जागरूकता, बाढ से बचाव एवं विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समय से आयोजित किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी को हवाई हमले के दौरान अग्नि बमों से सुरक्षा के लिए नागरिक सुरक्षा महायोजना में नामित कार्मिकों को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने आंतरिक संचार प्रणाली को तकनीकी रूप से मजबूत करने हेतु पूर्व की हॉटलाइन सेवा को नवीन तकनीकी में बदलने के

बीएसएनएल के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि हवाई हमले के समय में होने वाली आपदाओं से निपटने के लिए सभी संबंधित अधिकारी अपने उत्तरदायित्वों का भली प्रकार से निर्वहन करें। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि नागरिक सुरक्षा की आपातकालीन सेवाओं में मुख्य रूप से बचाव सेवा, संचार सेवा, कल्याण सेवा, प्रशिक्षण सेवा, अग्निशमन सेवा, आपूर्ति सेवा, डिपो एवं परिवहन सेवा, कबाड सेवा एवं शव निस्तारण सेवा शामिल है। इन सेवाओं से संबंधित अधिकारीगण नागरिक सुरक्षा के अधिकारियों से समन्वय कर समय से सहयोग देना सुनिश्चित करें।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर अंकुर वर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा कश्मीर सिंह, दिनेश कुमार, मौ0 आलम, बीएसएनएल, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने प्रभारी मंत्री द्वारा दिए गये निर्देशों के अनुपालन आख्या की समीक्षा की

स्मार्ट क्लासों को किया जाए बेहतर ढंग से संचालित - मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा द्वारा दिए गये निर्देशों के अनुपालन के संबंध में समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में ब्लॉकवार रजिस्टर बनाकर आवेदनों की संख्या अंकित की जाए। उसके बाद सत्यापन कर पात्रों को इंगित किया जाए। उन्होने मुख्य चिकित्साधिकारी को जिला चिकित्सालय में रिक्त पदों की भर्ती के लिए नियमानुसार विज्ञप्ति जारी करने के निर्देश दिए। जनपद में संचालित स्मार्ट क्लास के बेहतर प्रयोग के निर्देश दिए। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी सुनिश्चित करें कि अनुपालन आख्या अद्यतन, स्पष्ट और तथ्यात्मक हो। पर्यटन विभाग को निर्देशित किया कि

विधानसभावार योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। खाद्य औषधि प्रयोगशाला में आवश्यक उपकरणों हेतु शासन को पत्र प्रेषित करने को कहा। ओवरलोड वाहनों पर की गई कार्यवाही से अवगत कराएं। नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे हेबीटेट सेंटर के निर्माण कार्यों में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। पिछले 03 माह में राजस्व न्यायालयों में लम्बित एवं निस्तारित वादों की सूची उपलब्ध करवाएं।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने अतिक्रमण से बचाव के लिए संबंधित थानाध्यक्षों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाए जाने के उपरान्त दोबारा वहां पर अतिक्रमण न होने दिया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, एसपी यातायात सिद्धार्थ वर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रेलवे यूनियन चुनावः आठ साल बाद मान्यता के लिए वोटिंग की तैयारी जोरों पर

4 और 5 दिसंबर को मतदान, संगठनों ने तेज किया प्रचार अभियान

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, रेलवे यूनियन की मान्यता को लेकर आठ साल बाद चुनाव होने जा रहे हैं। इसको लेकर रेलवे के संगठन तैयारी में लगे हुए हैं, जिसको लेकर कटनी जिले में भी प्रचार प्रसार किया जा रहा है। अब तक सिर्फ दो बार मान्यता के लिए चुनाव कराए गए हैं। अब इसके लिए 4 और 5 दिसंबर को मतदान होगा। इससे पहले सभी संगठन अपने मतदाताओं को रिझाने की तैयारी में हैं।यूनियन मान्यता चुनाव के मद्देनजर वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लाइज यूनियन ने रविवार को कटनी में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। जिसमे डब्ल्यूसीआरईयू के महामंत्री कॉमरेड मुकेश गालव ने बताया कि रेलकर्मियों को एआईआरएफ, डब्ल्यूसीआरईयू ने पूर्व में संघर्षों के बारे में जानकारी दी है साथ ही यूनियन *NPS* और *OPS* पेंशन के बारे में भी उन्होंने उदाहरण सहित जानकारी देते हुए कहा कि वह केंद्र सरकार के विरोध में है और वह अपने मजदूरों के साथ खड़े हुए है और उन्हें होने वाली किसी भी समस्या के समाधान करने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे है।और करते रहेंगे।
पश्चिम मध्य रेलवे प्रशासन ने चुनाव के लिए 5 यूनियनों को पात्रता दी है। इनमें पीएमआरकेपी, एसबीबीके, डब्लूसीआरयू, डब्लूसीआरएस, डब्लूसीआरएमयू शामिल हैं।इस चुनाव में 52000 मतदाता हैं। जिसमें 35त्न वोट कास्टिंग लेकर आएगा। वह यूनियन में मान्यता प्राप्त रहेगा। चुनाव 4, 5 और 6 दिसंबर को होंगे। 4 और 5 दिसंबर को रेलवे के नियमित कर्मचारी और 6 दिसंबर को रेलवे के रनिंग स्टाफ मतदान करेंगे। महामंत्री गालव ने यह भी बताया कि रेलवे प्रशासन जिस तरह प्राइवेटीकरण लगातार कर रहा है वह उसका विरोध कर रहे है और रेल कर्मचारी सरकारी था और रहेगा। महामंत्री गालव सीएंडडब्ल्यू के सिक साइडिंग में भी कर्मियों मिले। ट्रैकमेनों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। यूनियन नेताओं ने रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट लॉबी, टीटीई लॉबी कार्यालयों में जाकर सघन जनसंपर्क किया।

जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों पर कृषकों का प्रशिक्षण एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम संपन्न

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, स्मॉल ग्रांट प्रोग्राम के सातवें परिचालन चरण के अंतर्गत ऊर्जा और संसाधन संस्थान के सहयोग से नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरमेंट (एन.सी.एच.एस.ई) भोपाल द्वारा दमोह जिले की तेंदूखेड़ा तहसील के देवरी लीलाधर और पतलोनी गांव में जलवायु अनुकूल पद्धतियों को अपनाकर अवक्रमित/कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और उत्पादकता में सुधार हेतु परियोजना क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को ऐसी प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों को अपनाने के लिए शिक्षित और प्रोत्साहित करना है, जो प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप कृषि पद्धतियों, पारिस्थितिकी सेवाओं में सुधार के साथ-साथ पर्यावरण के और अधिक क्षरण को रोकने और उनकी आजीविका को बढ़ाने में सहायक हों। इसी कड़ी में कृषि विज्ञान केन्द्र दमोह में परियोजना क्षेत्र के 30 से अधिक कृषकों का क्षमतावर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र से वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एम.के. अहिरवार, कृषि वैज्ञानिक डॉ राजेश द्विवेदी एवं वैज्ञानिक डॉ बी.एल.साहू द्वारा विभिन्न कृषि से संबंधित जलवायु अनुकूल पद्धतियों पर कृषकों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, जिसमें भूमि की तैयारी, मृदा स्वास्थ्य, फसल बोने की पद्धतियों जैसे संतुलित एवं उन्नत बीज, बीज अंकुरण परिक्षण, बीज उपचार, लाइन से बीज बुवाई, संतुलित उर्वरक, खाद व कीटनाशक छिड़काव, सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबंधन, फसलों में समय से सिंचाई पद्धतियों, कीट एवं रोग नियंत्रण एवं फसलों की कटाई व बीज भंडारण, नरवाई प्रबंधन आदि जानकारियों से किसानों को अवगत कराया गया। कृषि विभाग से जिला सहायक संचालक कृषि जे.एल. प्रजापति ने विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के बारे में, संतुलित मात्रा में खाद एवं उर्वरक का उपयोग कर फसल लागत को कम किया जा सके, उसके साथ ही नैनो डीएपी व नैनो यूरिया व डीएपी के स्थान पर सुपर फास्फेट एवं यूरिया को मिलाकर फसलों में उपयोग करने पर डीएपी से बेहतर परिणाम प्राप्त करने, ई-कृषि अनुदान पोर्टल पर चल रही योजनाओं जैसे स्प्रिंकलर सेट, मिनी स्प्रिंकलर सेट, ड्रिप इरिगेशन, पंप सेट(डीजल/विद्युत), हैप्पी सीडर/सुपर सीडर, पाइप लाइन सेट आदि का ऑनलाइन पंजीयन कर कैसे लाभ लिया जाए, के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री प्रजापति ने पर्यावरण प्रदूषण कम करने व मिट्टी के उपजाऊपन बनाए रखने के लिए मशीनों से पराली/नरवाई के उचित प्रबंधन के लिए किसानों से आग्रह किया।

शासकीय शिक्षक, शिक्षक कर्मचारी शासन की पूर्व स्वीकृति के बिना कोई भी उप व्यवसाय या धंधा नहीं कर सकता

प्राइवेट ट्यूशन भी उल्लेखित नियमों के विपरीत है जो कदाचरण की श्रेणी में आता है

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, प्राइवेट ट्यूशन एवं अन्य पारिश्रमिक कार्य के अंतर्गत म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम के तहत कोई भी शासकीय शिक्षक, शिक्षक कर्मचारी शासन की पूर्व स्वीकृति के बिना कोई भी उप-व्यवसाय या धंधा नहीं कर सकता प्राइवेट ट्यूशन भी उल्लेखित नियमों के विपरीत किया गया है, तो कदाचरण की श्रेणी में आता है, केवल सामाजिक तथा सांस्कृतिक प्रकार के अवैतनिक कार्य बिना पूर्व स्वीकृति के किये जा सकते है, इस आशय के निर्देश राज्य शासन द्वारा जारी किये गये है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी ने परिपत्र जारी कर कहा है जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा केवल डांक संबंधी कार्य, लायसेंस प्राप्त मुद्रांक विक्रेता कार्य, कॉजी हाउस का कार्य, सरकारी समितियों का अंशकालिक कार्य, पुस्तक लेखन, समाज शिक्षा तथा पुस्तकालय एवं आकाशवाणी से वार्ता अथवा कलात्मक कार्यक्रमों का प्रसार आदि कार्यो की स्वीकृति की जा सकेगी। कोई कार्य स्वीकार करने के पूर्व वह अपने पदस्थ वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी संकुल प्राचार्य/विकासखंड शिक्षा अधिकारी को पूर्ण विवरण शर्तों से अवगत करायेगा। इसके पश्चात संकुल प्राचार्य/विकासखंड शिक्षा अधिकारी इस आवेदन को अपनी टीप के साथ जिला शिक्षा अधिकारी को प्रेषित करेगें, परीक्षण हेतु जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में इस कार्य को देखने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी एक प्रभारी अधिकारी नियुक्त करेगें तत्पश्चात जिला शिक्षा अधिकारी लिखित स्वीकृति प्रदान करेगें, जिसका विधिवत अभिलेख संधारित किया जायेगा। नियम-28 (2) प्रशासकीय अधिकारी यह व्यवस्था रखेंगे कि नियम 28 (1) में वर्णित एक से अधिक कार्य शिक्षकों को न सौपे जायें। नियम-28(3) ट्यूशन (अ) प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर, शिक्षक पाँच ट्यूशन (पांच विद्यार्थी) एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षक तीन ट्यूशन (तीन विद्यार्थी) कर सकेंगे । ट्यूशन करने के पूर्व उन्हें संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी या प्राचार्य को लिखित सूचना देनी होगी, जिसका पूरा-पूरा विवरण जिला कार्यालय में रखी पंजी में किया जायेगा। यदि शाला की पढ़ाई में नुकसान हो रहा पाया जायेगा तो जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य को ट्यूशन कार्य निरस्त करने का अधिकार होगा । ट्यूशन कार्य निरस्ती संबंधी निर्णय के विरूद्ध शिक्षक यदि चाहे तो 15 दिवस के भीतर संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा लोक शिक्षण को अभ्यावेदन कर सकेगा जिनका निर्णय अंतिम होगा ।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में व्यवस्था जिले में प्राइवेट ट्यूशन एवं अन्य पारिश्रमिक कार्य के अंतर्गत म.प्र. शिक्षा संहिता एवं मार्गदर्शिका के नियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ सहायक संचालक प्रभारी अधिकारी होगे, जो संकुल प्राचार्य/विकासखंड शिक्षा अधिकारी से प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर, मूल आवेदन अपनी टीप के साथ जिला शिक्षा अधिकारी को प्रस्तुत करेगें ।

समय-सीमा किसी शिक्षक/लोक सेवक द्वारा आवेदन सर्वप्रथम अपने संस्था प्रभारी को सौपेंगें, संस्था प्रभारी आवेदन की पावती 07 दिवस के अंदर संकुल प्राचार्य / विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करेगें, संकुल प्राचार्य/विकासखंड शिक्षा अधिकारी अपने कार्यालय में प्राप्त आवेदन से 07 दिवस में सभी दस्तावेजों सहित उक्त आवेदन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की आवक शाखा में जमा कर पावती प्राप्त करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्राप्त आवेदन प्रभारी अधिकारी के पास पहुंचेगा जो प्राप्त आवेदन के तीन दिवस में परीक्षण कर मूल रूप में जिला शिक्षा अधिकारी को प्रस्तुत करेगें जिला शिक्षा अधिकारी उक्त आवेदन को 03 दिवस में स्वीकृत, अस्वीकृत करते हुए सूचना लिखित रूप में मूल आवेदक को प्रदान करेगें । शिक्षकों द्वारा यदि नियम विरूद्ध ट्यूशन किये जाते है, तो उसका शिक्षा पर दुष्प्रभाव होता है अत: उक्त नियम के प्रकाश में जिला अंतर्गत सभी संस्था प्राचार्यो, व्याख्याताओं, शिक्षकों को उक्त नियम कढ़ाई से पालन करने के तत्काल निर्देश दिये गये है साथ ही यदि शिक्षकों द्वारा नियम विरूद्ध या बिना लिखित अनुमति के ट्यूशन किये जाने की शिकायतें प्राप्त होती है तो म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 का उल्लंघन मानते हुए अज्ञात स्त्रोंतों से आय अर्जित करने का प्रकरण पंजीबद्ध करने की कार्यवाही की जायेगी।

कलेक्टर सुधीर कोचर ने सिग्रामपुर के ग्राम चोरई पहुंचकर बड़ादेव मंदिर, धर्मशाला, मंगल भवन, शासकीय नवीन माध्यमिक शाला और आंगनबाड़ी केंद्र का जायजा लिया

किसान छोटे सींग के खेत का निरीक्षण किया, दिए आवश्यक निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा जिले में रात्रि चौपाल का कार्यक्रम गांव में शुरू किया गया है, इसके पूर्व कलेक्टर सुधीर कोचर ने दूरस्थ वनांचल ग्राम मडियादो के ग्राम घोघरा में चौपाल लगाई थी, आज सिग्रामपुर के वनांचल ग्राम चौरई पहुंचकर पर्यटन विकास केंद्र, मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप एक करोड़ 16 लाख की लागत से बन रहे बड़ा देव मंदिर, धर्मशाला और मंगल भवन, शासकीय नवीन माध्यमिक शाला, उप स्वास्थ्य केन्द्र तथा आंगनबाड़ी केंद्र के साथ किसान छोटे सींग ने अपने ढाई एकड़ के खेत में चने की नई वैरायटी की फसल लगाई है का जायजा लिया। ज्ञात हो कलेक्टर सुधीर कोचर ने चौपाल के पूर्व ग्राम का भ्रमण किया। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र में कुछ कमियां पाई गई सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय नवीनशाला

भवन का जायजा लेते हुए शाला भवन की छत को ठीक करने के निर्देश दिए। स्कूल की छत का कुछ प्लास्टर निकला हुआ है जिसे जन सहयोग या किसी और मद से कराने की बात की कही । किसान छोटे सिंह जिसकी खेती लगभग ढाई एकड़ में नई वैरायटी के चने की फसल का अवलोकन क्या। अवलोकन के दौरान खेत में उगटा रोग लगा हुआ है, जिस पर कलेक्टर ने किसान से कहा कल कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक और अधिकारियों की टीम यहां आएंगे फसल को देखकर उसका पूर्ण उपचार किस तरह किया जाए बताएंगे। कलेक्टर सुधीर कोचर ने कृषि वैज्ञानिक डॉ अहिरवार को दूरभाष पर चर्चा कर कल मौका निरीक्षण करने को कहा। इसके पूर्व कलेक्टर ने पर्यटन विकास विभाग के द्वारा नवनिर्मित बड़ा देव मंदिर तथा धर्मशाला और मंगल भवन का अवलोकन किया जिसकी मुख्यमंत्री डॉ यादव मोहन यादव जी ने घोषणा की थी जिसकी लागत 1 करोड़ 16 लाख रुपए है, निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया, समय सीमा में काम पूरा किया जाए। उन्होंने कहा अगले साल मार्च अप्रैल लगभग 6 महीने में बारिश के पूर्व किसी भी स्थिति में कार्य पूरा के लिया जाए।

बहुचर्चित देवेंद्र चौरसिया हत्याकांड मामले में आरोपियों को आजीवन कारावास

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, हटा नगर के बहु चर्चित देवेंद्र चौरसिया हत्याकांड मामले में एडीजे कोर्ट ने 26 में से 25 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. एक आरोपी अभी भी फरार है. फैसला सुनाए जाने के दौरान हटा कोर्ट छावनी की तरह है तब्दील किया गया था. प्रदेश ही नहीं देश की राजनीति में को उफान पर लाने वाले बहुचर्चित देवेंद्र चौरसिया हत्याकांड मामले में आखिरकार लंबे इंतजार के बाद आज हटा कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है. हत्या के 26 आरोपियों में से 25 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. सभी आरोपियो को आई पी सी की धारा 302/149 में आजीवन कारावास के साथ 10 हज़ार रुपए अर्थदंड की सजा, धारा 323/149 आई पी सी में एक एक साल का कारावास एवं पांच पांच सौ रुपए जुर्माना एवं धारा 148 में तीन तीन वर्ष का कारावास एवं एक एक हज़ार रुपये अर्थ दंड की सजा से दंडित किया गया है. सभी सजाएं एक साथ भुगताये जाने का आदेश दिया है. गौर तलब है कि वर्ष 2018 में पथरिया से जिला पंचायत की उपाध्यक्ष रामबाई परिहार बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर विधायक चुनी गई थी. चुनाव में कांग्रेस की सरकार चुने जाने की दरमियां ही बहुजन समाज पार्टी का साथ छोड़कर कद्दावर नेता हटा निवासी देवेंद्र चौरसिया ने तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ की सभा में ही कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की थी. मंच से कमलनाथ ने भी उनकी तकलीफ को समझते हुए उन्हें पूर्ण रूप से सुरक्षा मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया था. लेकिन महज यह आश्वासन चंद घंटे भी पूरे नहीं कर पाया और हटा स्थित देवेंद्र चौरसिया के गिट्टी क्रेशर प्लांट पर 19 लोगों ने उन पर पर कातिलाना हमला कर उनकी हत्या कर दी थी. वहीं उनके बेटे सोमेश चौरसिया को मरणासन्न अवस्था में छोड़कर फरार हो गए थे. पुलिस ने सोमेश चौरसिया के मृत्यु कालिक कथनों के आधार पर पथरिया विधायक राम बाई के पति गोविंद परिहार, उनके देवर कौशलेंद्र उर्फ चंदू परिहार, भतीजे गोलू परिहार सहित श्रीराम शर्मा, अमज़द खान, लोकेश पटेल, तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष शिवचरण पटेल के बेटे एवं वर्तमान में जेल में निरुद्ध हटा जनपद अध्यक्ष इंद्रपाल पटेल, अनीश, सोहिल पठान, शाहरुख, मोनू, आकाश सिँह, संदीप तोमर, सुकेंद्र, बलवीर, विक्रम, राजा डॉन, खूबचंद, फुकलू, शैलू, किशन, मजहर मजहर आदि के विरुद्ध धारा 302 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया था लेकिन कमलनाथ

सरकार के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने मामले में पुनर विवेचना जारी किए थे. इसी बीच पुलिस प्रशासन के दबाव एवं राम भाई के परिजनों के दबाव के चलते पीड़ित चौरसिया परिवार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया सुप्रीम कोर्ट में मामला संज्ञान में आने के बाद कोर्ट के ही आदेश पर एक बार पुन: हत्या का आरोपी बनाया गया था सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद ही पुलिस प्रशासन ने शक्ति की जिसके बाद गोविंद परिहार ने भिंड में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था कुल मिलाकर पूरे मामले में 25 आरोपियों की गिरफ्तारियां हुई थी जबकि एक आरोपी मामले में अभी भी फरार चल रहा है. क्या हुआ था मामले में राम बाई अपने समय की एकमात्र महिला और दबंग विधायक के रूप में जानी जाती हैं. राम बाई के कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों के नेताओं से गहरे संबंध हैं. जिसके कारण राजनीतिक हस्तक्षेप का आलम यह था कि मामले की सुनवाई कर रहे विद्वान न्यायाधीश सोनकर को तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव सिंह एवं तत्कालीन एसडीओपी भावना दांगी ने कई तरह की धमकियां दी थी. इस मामले की स्टेटस रिपोर्ट सोनकर ने सुप्रीम कोर्ट को की थी. जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने पूरे मामले को अपने हैंडोवर करते हुए सुनवाई जारी रखने के आदेश जारी किए थे. उधर सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणी के बाद प्रदेश सरकार ने एसटीएफ को गोविंद परिहार की गिरफ्तारी के आदेश दिए थे. उसी दरमियान एसटीएफ के एडीजी विपिन माहेश्वरी भी हटा पहुंचे थे. साथ ही उन्होंने देवेंद्र चौरसिया के परिजनों, सोनकर सहित विभिन्न लोगों से मुलाकात भी की थी. इसके बाद लगातार दबाव बढ़ता गया और राम बाई के पति गोविंद परिहार को सरेंडर करना पड़ा. उनके कई अन्य साथियों की भी गिरफ्तारी हो गई. इसके बाद मामले में तेजी आई और आज आखिरकार फैसला भी हो गया. इस पूरे मामले में कोर्ट ने जो फैसला दिया है उसमें त्रिलोक नाम का एक आरोपी अभी भी फरार है जबकि एक आरोपी विकास पटेल को केवल आरोपियों को अपने घर में बना है देने का आरोप है कोर्ट ने उसे रियायत देते हुए बरी कर दिया है.

यहाँ है गजराज : बाणसागर इलाके में दिखा 18 हाँथियो का झुण्ड

फसलें तबाह, किसान चिंतित, नहीं मिल रहा उचित मुआवजा

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ इन दिनों जिले के अलग अलग क्षेत्रों में जंगली जानवरों ने आतंक मचा रखा है । कहीं बाघ और तेंदुआ ने दहशत मचा रखी है तो कहीं हाथियों का झुण्ड फसलों को बर्बाद कर रहा है । शहडोल और आसपास के जिले में ग्रामीण दहशत में है शहडोल, जिले के अंतिम छोर में स्थित बाणसागर का सामने आया है ,जहां हाथियों का झुण्ड जंगल से भटककर गाँवों में पहुँच गया है और फसलों को बर्बाद कर रहा है । बीते दिवस खेत में फसलों को बर्बाद करते हुए हाथियों के झुण्ड को ग्रामीणों ने शोर गुल करते हुए आगे खदेड़ा, जिसका लाइव वीडियो भी सामने आया है । दरअसल रविवार बाणसागर क्षेत्र के देवलोंद ,चचाई, बिजुरिहा, नादो, सेग्मल, सहरा, कुमिहा तथा अनहरा समेत अन्य गाँव में करीब डेढ़ दर्जन हाथियों का एक झुण्ड जंगल से भटकर इन गाँवों में पहुँच गया है। जो वहाँ गन्ना और केला की फसलों को चौपट कर रहा है। साथ ही खलिहानों में रखी दूसरी फसलो को भी नष्ट कर रहें हैं ।

परेशान पड़ोसी जिले के ग्रामीण.. देवलोंद थाना क्षेत्र के इन गाँवों से हाथियों का झुण्ड दो तीन हिस्सों में बट गया है । जिनमे से एक झुण्ड सोन नदी के पार लगने वाले मैहर जिले के ग्राम कैथहा, सरिया, हरियरी आदि गाँवों में भी हाथियों के झुण्ड ने फसलो की तबाही मचाई हुई है। ग्रामीणों के अनुसार करीब तीन चार दिन पूर्व लगभग डेढ़ दर्जन हाथियों के झुण्ड ने बाणसागर के गाँवों में प्रवेश किया था, जो अब तीन अलग अलग झुण्ड में बदल गये है । इनमे से अलग अलग झुण्ड इन गाँवों में फसलो को तबाह कर रहें हैं ।

ग्रामीणों ने मचाया शोर.. मिली जानकारी के अनुसार सोन नदी के उस पार ग्राम सरिया से हरियरी के बीच खेतों में विचरण कर फसलो को बर्बाद कर रहे थे । जिसकी जानकारी लगने के बाद ग्रामीणों द्वारा हाथियों के झुण्ड को शोर एवं तेज आवाज करके आगे खदेड़ दिया गया था । लेकिन ग्रामीणों के अनुसार फिर इन हाथियों के गाँव में प्रवेश करने की आशंका है । यदि वन विभागद्वारा शीघ्र ही इन हाथियों को गाँव से बाहर जंगल की तरफ नहीं खदेड़ा गया तो यह हमारी बची हुई फसलों को भी नष्ट कर देंगे ।

हाथियों की जान का जोखिम... गौरतब होकि बीते माह हुई दस हाथियों की मौत के बाद एक बार फिर वन अमले की चिंताएं बढ़ गयी है, कि कहीं फसलों को नुकसान पंहुचा रहे है ऊपर से हाई टेंशन इलेक्ट्रिक लाइन भी एक बड़ा जोखिम हैं, इसके चलते हाथियों के साथ कोई अनहोनी होने की सम्भावना हैं । वही किसान फसल बर्बाद किए जाने से किसान काफी चिंतित एवं आक्रोशित है। उनका कहना है कि हम लोग अपना खून पसीना बहाकर फसल तैयार किए और ये हाथी हमारी मेहनत पर पानी फेर रहें हैं। वन अमले को गंभीरता के साथ इन हाथियों को जंगल की तरफ़ खदेड़ने का प्रयास करना चाहिए लेकिन वन विभाग के कर्मचारी केवल खानापूर्ति करते नजर आ रहें हैं। उन्हें ज़रा सा भी किसानो के नुक्सान की चिंता नहीं हैं।

बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधारने अधिकारी विद्यालयों करेंगे निरीक्षण, लगाए ड्यूटी- कमिश्नर

अमानक खाद, बीज बेचने वालों के विरुद्ध करें सख्त कार्यवाही - कमिश्नर

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता की उपस्थिति में शनिवार को कमिश्नर कार्यालय के अमरकंटक सभागार में कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कमिश्नर ने शहडोल संभाग के कलेक्टरों को निर्देश दिए की शहडोल संभाग के तीनों जिलों शहडोल, उमरिया एवं अनूपपुर में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम बेहतर हो इसके लिए कलेक्टर्स व विभागीय अधिकारी विद्यालयों का निरीक्षण कर विद्यालयों में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता की जांच करें तथा लापरवाही बरतने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए एक्स्ट्रा क्लास व विद्यार्थियों से प्रश्न पत्र भी हल करवाए। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा परिणाम के लिए ब्लॉक स्तर के अधिकारी फील्ड पर जाएं तथा कलेक्टर, अधिकारियों की ड्यूटी लगाएं और सतत् मॉनिटरिंग भी करें।

साईकिल वितरण में न हो लापरवाही... कमिश्नर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से शहडोल संभाग के विद्यालयों में वितरित की जा रही साइकिलो के संबंध में जानकारी ली तथा कहा कि साइकिल वितरण में किसी भी प्रकार की शिकायतें न आए यह सुनिश्चित करेंगे। कमिश्नर ने कृषि विभाग द्वारा

संचालित योजनाओं के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ पात्र किसानों को मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शहडोल संभाग में बीज की उपलब्धता रहे तथा अमानक खाद, बीज बेचने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करें। कमिश्नर ने महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए की आंगनबाड़ी केंद्रों में शत प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित हो तथा बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र में दी जाने वाली सभी समस्त सेवाएं भी उपलब्ध रहे यह सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने मातृत्व वंदना योजना में प्रगति नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा प्रगति लाने के निर्देश संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास को दिए।

मनाई जाएगी गीता जयंती... कमिश्नर ने कलेक्टरों को निर्देश दिए की 9 दिसंबर को गीता जयंती मनाई जाएगी इसके लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों, रैन बसेरों में ठंड के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए पर्याप्त कंबल, बेड्स, अलाव सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए जिससे ठंड की वजह से कोई भी अप्रिय घटना न हो। कमिश्नर ने कलेक्टर कान्फ्रेंस के दौरान जिलेवार मछली पालन, हम होंगे कामयाब अभियान, पशुपालन, गौशालाओं का संचालन, सहकारिता वसूली, उद्यानिकी विभाग जैसे अन्य विभागों के कार्यों की भी समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिए। कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर शहडोल डॉ.केदार सिंह, कलेक्टर अनूपपुर श्री हर्षल पंचोली, कलेक्टर उमरिया धरणेन्द्र जैन, उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनीषा पांडे, शहडोल संभाग के जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

अनूपपुर जिले में कांग्रेस का पूर्व से ही बंटाधार अब गुरमीत सिंह मंगू के प्रभारी बनने से आक्रोश व्याप्त

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, कांग्रेस के वरिष्ठ लोगों की उपेक्षा करते हुए शासकीय नौकरी से कांग्रेस की राजनीति में पदार्पण किए रमेश कुमार सिंह को जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाते ही कांग्रेस कई भागो में विभाजित हो गई। वर्षों से कांग्रेस की राजनीति कर रहे लोगों को कांग्रेस हाई कमान ने दरकिनार करते हुए रमेश कुमार सिंह को कांग्रेस का जिला अध्यक्ष अनूपपुर नियुक्त कर दिया। इसके बाद कांग्रेस की मजबूती के लिए रीवा के कांग्रेसी नेता गुरमीत सिंह मंगू को प्रभारी बनाकर भेज दिया गया।जिनकी उपस्थिति में कांग्रेस तमाम गुटों में बट गई और कांग्रेस को विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। 2020 के उपचुनाव में कांग्रेस लगभग 33000 वोटो से चुनाव गुरमीत सिंह मंगू के प्रभारी बनने से हारी थी।जो किसी से छुपा हुआ नहीं है।उसके बावजूद भी प्रदेश कांग्रेस हाई कमान पता नहीं क्या सोचकर फिर से प्रभारी बनाकर अनूपपुर की कांग्रेस को चौपट करने के लिए उन्हें भेज दिया। सभी जानते हैं की गुरमीत सिंह मंगू ने कांग्रेस का अनूपपुर जिले में बंटाधार किया था।लेकिन प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पता नहीं क्या सोचकर उनको फिर से अनूपपुर जिला कांग्रेस कमेटी का प्रभारी बनाकर भेज दिया। जिसको लेकर सच्चे कांग्रेस जनों में व्यापक आक्रोश व्याप्त है।लोगों ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को पत्र द्वारा तत्काल अनूपपुर जिले के प्रभारी को परिवर्तित करने की मांग की है।यदि यह परिवर्तन नहीं होता है तो अनूपपुर में रही सही कांग्रेस पूरी तरह से चौपट हो जाएगी और इसका पूरा श्रेय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को जाएगा। अनूपपुर में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की जरूरत है।गुटों में बांटने का समय अब नहीं रहा।लेकिन गुरमीत सिंह मंगू के रहते कांग्रेस एक हो जाए यह जीवन में संभव नहीं है।इसके लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को चाहिए कि तत्काल अनूपपुर जिले से प्रभारी को बदलते हुए निर्विवाद व्यक्ति को कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त करें। जिससे कांग्रेस संगठन मजबूत हो सके और पूरी मजबूती के साथ आने वाले चुनाव में भाजपा का मुकाबला कर सके।प्रदेश कांग्रेस को प्रभारी नियुक्त करते समय प्रभारी जिले के ही कांग्रेस नेता को बनाना चाहिए जो जिले से पूरी तरह से वाकिफ होता है और लोग उसकी बातों को मानते हैं। पूर्व में जिला कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को ने अच्छा काम किया था और इनको ही अनूपपुर जिले का प्रभारी बनाया जाना था तो निश्चित ही जिले में कांग्रेस के संगठन में एक नई जान आती।आज कांग्रेस के जिला अध्यक्ष को बदलना भी बहुत जरूरी है।क्योंकि अनूपपुर जिले का संगठन पूरी तरह से मृतप्राय हो चुका है।जिसमें जान फूंकने के लिए किसी वरिष्ठ पुराने कांग्रेस के नेता को कांग्रेस के जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए।जिससे संगठन का वर्ष भर का कार्यक्रम निर्धारित समय पर पूरा होता रहे।अभी देखा जा रहा है कि कुछ दिनों पूर्व इंदिरा जी की जयंती अनूपपुर जिला मुख्यालय में नहीं मनाई गई।यह कांग्रेस संगठन की कमजोरी का सबसे बड़ा उदाहरण है। अनूपपुर जिले के लिए नियुक्त प्रभारी गुरमीत सिंह मंगू का पुरजोर विरोध हो रहा है।इनकी नियुक्ति पर लोगों ने घोर आपत्ति जताई है।जिसे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को गंभीरता से लेना चाहिए और तत्काल परिवर्तन कर किसी निर्विवाद व्यक्ति को कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त करना चाहिए एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद पर भी परिवर्तन कर कांग्रेस के संगठन को मजबूती देने का कार्य करना चाहिए। जिससे कांग्रेस का संगठन अनूपपुर जिले में फिर से खड़ा हो सके।एक समय था जब अनूपपुर जिला नहीं था लेकिन शहडोल जिला कांग्रेस का संचालन अनूपपुर के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शंकर बाबू शर्मा द्वारा किया जाता था और पूरे शहडोल जिले में कांग्रेस की तूती बोलती थी।लेकिन आज कांग्रेस पूरे संभाग में केवल पुष्पराजगढ़ को छोड़कर कहीं भी नहीं रह गई।इसमें सुधार की काफी आवश्यकता है।जिसे प्रदेश कांग्रेस कमेटी को गंभीरता से विचार कर तत्काल परिवर्तन करना चाहिए।जिससे एक बार फिर कांग्रेस की अनूपपुर जिले में तूती बोलने लगे।

एड्स दिवस पर निकाली जागरूकता रैली बचाव और सावधानी रखने का दिया संदेश

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
उमरिया, विश्व एड्स दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय उमरिया के जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एस.बी चौधरी के मार्गदर्शन पर एड्स दिवस को लेकर जिला चिकित्सालय परिसर से रैली निकाली गई। रैली को जिला चिकित्सालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एस.बी चौधरी, नोडल अधिकारी डॉ मुकुल तिवारी, डॉ संदीप सिंह, लैब टेक्नीशियन वीरेंद्र शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।रैली में पोस्टर, बैनर के साथ ही नारों के माध्यम से लोगो को एड्स जागरूकता का संदेश दिया गया।रैली जिला चिकित्सालय परिसर से शुरू हुई जो गांधी चौक, जय स्तंभ पुराना बस स्टैंड होते हुए दोबारा चिकित्सालय पहुंची। यहां रैली का समापन किया।यहां रैली का समापन किया। रैली में नर्सिंग कॉलेज छात्रा व युवा टीम सदस्य ने सुरक्षित रक्त का करें प्रयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज का करें उपयोग। एड्स का है भय नहीं, इसका हमें है ज्ञान सही...आदि नारे लगाते जागरूकता का संदेश दिया।

ऐसे फैलता है संक्रमण... सीएमएचओ डॉ एस.बी चौधरी ने बताया 1 दिसंबर को एड्स दिवस मनाया जाता है। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से एड्स की बीमारी नहीं होती है। इसके साथ ही संक्रमित व्यक्ति के छूने, साथ बैठने और खाने से यह बीमारी नहीं फैलती है। संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन सम्बन्ध बनाने से यह बीमारी फैलती है। वही नोडल अधिकारी डॉ मुकुल तिवारी ने कहा कि जन जागरूकता के उद्देश्य से हर साल एक दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम ' मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार, की गई है। एचआईवी-एड्स लाइलाज बीमारी है। इसकी रोकथाम के लिए बचाव व जागरूकता ही एकमात्र उपाय है। इसके लिए लोगों को जागरूक होना जरूरी है।

मिथको से रहे दूर....एड्स के प्रति सामाजिक मिथकों को दूर करना, आहार, पोषण, स्वच्छता और स्वस्थ जीवन शैली के लिए युवाओं को प्रेरित होने की ज़रूरत है। जिला चिकित्सालय मीटिंग हॉल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, नोडल अधिकारी की उपस्थिति में युवा टीम उमरिया सदस्य, तिरुपति बालाजी पैरामेडिकल कॉलेज व विवेकानंद पैरामेडिकल कॉलेज छात्राओं को एड्स दिवस स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ बी. एस चंदेल,लैब टेक्नीशियन वीरेंद्र शर्मा,अनुज रजक,मनीष पटेल,शिवांशु सिंगोरे,बुधराम ,प्रियंका यादव, युवा टीम से हिमांशु तिवारी,खुशी सेन, वर्षा बर्मन, मुस्कान महोबिया, साक्षी रैदास, फरहाना खातून, सुलेखा राठौर, लक्ष्मी महोबिया, सानिया चौधरी, संजना केवट, शालिनी चौधरी, खुशी पाठक, श्रेया दहिया, अनुसुईया दहिया, महक सोनी, दुर्गेश्वरी सिंह परस्ते व सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राएं युवा उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद के कारण पेपर में खबर प्रकाशन कर परिवार की छवि धूमिल करने का किया जा रहा प्रयासः श्रीमान भोला प्रसाद केवट

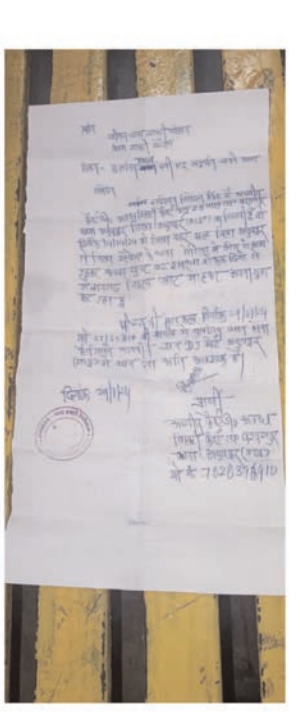

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनुपपुर, आशीष केवट के दादा जी श्रीमान भोला प्रसाद केवट ग्राम सीतापुर जिला अनुपपुर द्वारा जानकारी दी गई कि जिला बदर की कार्यवाहीं होने के बाद से आशीष अपनी जिला बदर की सजा नियम पूर्वक काट रहा है एवं यदि अनुपपुर न्यायालय में किसी केस की पेशी होती है तो ही आशीष जिले में आता है एव पेशी में हाजिर होकर वापस चला जाता है और आशीष जब भी अनुपपुर आता है तो थाने में अपने आने की जानकारी देता है इसके बावजूद हमारे नाती को बदनाम करने की कुछ तथा कथित लोगों द्वारा कोशिश की जा रही है जब आशीष के जिला बदर होने के बाद कोई केस नहीं है तो आशीष के बारे में अनर्गल क्यों कहा जाता है जिस कारण मेरे घर में स्कूल पढ़ने वाले बच्चे बच्छिया है बार बार झूठी अपवाह पेपर में तथा कथित लोगों द्वारा छपवाने पर बच्चों के इस चीज का गलत असर होता है जबकि आशीष के द्वारा इस बीच कोई अपराध नहीं किया गया है लेकिन जिन लोगों से हमारा जमीनी विवाद है वह लोग हमारी प्रतिष्ठा एवं समाज में नीचा दिखाने के लिए षड्यंत पूर्वक खबरें पेपर में प्रकाशित करवाते है ऐसे लोगों पर कार्यवाही हो जिससे समाज में संदेश जाए कि किसी व्यक्ति को शासन द्वारा यदि कोई सजा सुनाई जाती है इसका कारण यह है कि उस व्यक्ति को कोर्ट के द्वारा फिर से मुख्यधारा में जोड़ा जा सके वह व्यक्ति सजा पूरी होने के बाद नए सिरे से अपना जीवन यापन कर सके । पेपरों में खबर छापने के बाद आशीष के दादा जी एव पूरा परिवारजन को पुलिस द्वारा परेशान किया जा रहा है किसी भी वक्त घर का दरवाजा खटखटा या जाता है जबकि आशीष यहां रहता ही नहीं है वह नियम अनुसार अपनी जिला बदर की सजा काट रहा है ।। आशीष के दादा जी ने यह भी बताया कि खबर में आशीष द्वारा ड्रग्स लेने की अपवाह भी फैलाई गई है आशीष द्वारा कभी भी ड्रग्स का सेवन नहीं किया गया है ये सब कहानियां सिर्फ जमीनी विवाद के कारण फैलाई जा रही है जिसके कारण हमारे परिवार की छवि खराब हो रही है ।। फोटो क्रमांक 2 थाने की परमिशन कॉपी।

कामरेड जुगुल किशोर राठौर के ऊपर हमला बर्दाश्त नहीं करेंगे - सीटू

अनूपपुर, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से संबद्ध जन संगठन सीटू एवं मध्य प्रदेश किसान सभा का संयुक्त बैठक ग्राम धनगवा पूर्वी में संपन्न हुआ । बैठक में नेताओं ने मजदूर एवं किसानों के मसीहा कहे जाने वाले साथी कामरेड जुगुल किशोर राठौर के ऊपर किए जा रहे जानलेवा हमला एवं जिला प्रशासन की उदासीनता पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए निंदा किया है ।

नेताओं ने कहा कि कामरेड जुगुल किशोर राठौर जैसे सुलझे हुए शांतिप्रिय नेता के ऊपर जानलेवा हमला करना मानसिक पागलपन का सबूत है । उन्होंने बताया कि कामरेड जुगुल किशोर राठौर जब से मोजर बेयर पावर प्लांट के प्रभावित किसान एवं मजदूरों के हित में शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन चलाए हैं तब से लगातार उनके ऊपर हमले पर हमला किए जा रहे हैं , और जिला प्रशासन इस पर गंभीरता नहीं दिख रही है । नेताओं ने कहा कि कामरेड जुगुल किशोर राठौर के हमलावरों खिलाफ यदि पुलिस समय रहते कार्यवाही नहीं करती है तो इस जिला के किसान, मजदूर ,छात्र , नौजवान एवं महिलाएं चुप नहीं बैठेगी ।हमलावरों को और हमला करने के लिए सह देने वालों को मुंहतोड़ जवाब देगी । नेताओं ने कहा की पुलिस के पास अभी 3 दिन का समय है और तीन दिवस के अंदर हमलावरों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा पंजीबद्ध कर जेल के सलाखों में नहीं भेजती है तो सभी संगठन मिलकर के जैतहरी थाना के समक्ष धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे । जन संगठनों के प्रमुख प्रतिनिधियों में से मध्य प्रदेश किसान सभा जिला समिति अनूपपुर के अध्यक्ष एवं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी जिला समिति अनूपपुर के सचिव कामरेड रमेश सिंह, मध्य प्रदेश किसान सभा के महासचिव कामरेड दलवीर केवट सीटू के जिला अध्यक्ष कामरेड रामू यादव एवं संयुक्त ठेकेदारी मजदूर यूनियन के महासचिव कामरेड सहसराम चौधरी सहित दर्जनों नेतागण मौजूद रहे।

हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी के भाई जुगल सोमानी, रमा सोमानी, आदित्य सोमानी, अदिति सोमानी के नवीन गृह राम-कुटी के भव्य शुभारंभ पर 5 दिवसीय आयोजन हुआ सम्पन्न

जुगल रमा सोमानी ने कहा भगवान ने दी हमे रहने के लिए छत, हमने भगवान को चांदी का छतर किया समर्पित

जावद। धार्मिक, सामाजिक क्षेत्र में अग्रणी रहने वाला बैंगनपुरा वार्ड नम्बर दो निवासी प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी के भाई जुगल सोमानी, रमा सोमानी, आदित्य सोमानी, अदिति सोमानी के राम-कुटी नवीन गृह प्रवेश के 5 दिवसीय आयोजन सम्पन्न हुआ। हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी, सारिका विजय सोमानी, गिरिराज कालू सोमानी, अदिति सोमानी 5 दिवसीय आयोजन के अंतगर्त भीलवाडा जिले के ग्राम पंचायत मंगरोप स्थित माता का मंड सती माताजी को विधिविधान से पूजा करके चांदी का छतर अर्पित करके सोमानी परिवारजनो ने पुण्य लाभ लिया। महाआरती करके महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जावद अतिप्राचिन श्री पंचदेवरा महादेव मंदिर पर सोमानी परिवार के युवा जुगल सोमानी, रमा सोमानी के सौजन्य से मंदिर परिसर पर रंगरोगन करके पांचमुखी गणपतिजी को स्टील की गुबंद का निर्माण करवाया साथ ही पांचमुखी बालाजी को विधिविधान से पूजा अर्चना करके चांदी का छतर अर्पित करके पुण्य का कार्य किया। मंदिर को विद्युत साज, सज्जा, फुलो से सजाया गया। बालाजी महाराज की महाआरती करके प्रसाद वितरित किया गया। माहेश्वरी समाज के युवा जुगल रमा सोमानी ने कहा भगवान की कृपा से हमे नवीन गृह के रूप में रहने के लिए छत दी, तो हमने भी भगवान को चांदी का छतर समर्पित किया। अध्यक्ष नारायण सोमानी ने कहा पूर्व में भी अतिप्राचिन श्री पंचदेवरा महादेवजी को पीतल की पांचमुखी नागफनी, घंटे-घडियाल, बालाजी महाराज को पीतल का गोटा, पीतल का बडा दो दीपक विद्धान पंडितो के मंत्रोच्चार से विधिविधान से समर्पित किया था साथ ही मंदिर परिसर पर स्टील की रेलिंग, रंगरोगन, पर्सी सहित निर्माण करवाया था वही बस स्टैंड के पास श्रीराम गौशाला स्थित नगर का एक मात्र गायत्री मंदिर पर विराजित भोलेनाथजी के यहा नागफनी नही होने पर विद्धान पंडित गोपालकृष्णजी ओझा के विधिविधान मंत्रोच्चार से पीतल की नागफनी समर्पित करके भेट किए थे।

थाना नानपुर पुलिस द्वारा किया चोरी का खुलासा

रिज़वान शेख । सिटी चीफ
अलीराजपुर, थाना नानपुर क्षेत्र मे दिनांक 09.08.2024 को ग्राम भोरदिया के फरियादी कालिया पिता कन्दिला चौहान ने थाना आकर रिपोर्ट की मैं करीब ढेड महिने पहले मेरे भाई रालिया के यहाँ राजकोट गुजरात में परिवार सहित मजदूरी करने चला गया था। फिर मुझे गाँव वालो से खबर मिली कि मेरे घर के पीछे की ईंट की दिवाल को किसी व्यक्ति ने खोद रखी है। कब खोदी पता नहीं है, गाँव वालो की बातें सुनकर मैं गुजरात से कल अपने घर आया । देखा तो घर के पीछे की ईंट की कच्ची दिवाल किसी व्यक्ति द्वारा खोदी हुई थी घर के अंदर जाकर देखा तो घर का सामान बिखरा हुआ पड़ा था। तथा घर मे रखी पेटी मे मेरी चाँदी के जेवर मे एक बगली, दो कड़े, डाल्या, और बहु की चाँदी की चाट, करण्डी दो हार, साकवा, आठ- मुंदी दो कदरा की चांदी और कुछ नगदी रूपये कोई अज्ञात व्यक्ति रात्रि मे मेरे घर की पीछे ईंट की कच्ची दिवाल को खोद कर चोरी कर ले गये है सूचना पर थाना नानपुर अपराध क्र. 305/2024 धारा 303(2) 331 (4) बी.एन.एस. 2023 मे पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था । पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर श्री राजेश व्यास द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुए अपने अधिनस्थ अधिकारियो को निर्देशित किया जिसके तारत्मय में एस. डी. ओ. पी. जोबट श्री नीरज नामदेव मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नानपुर उनि मुकेश कनासिया के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई टीम द्वारा थाना क्षेत्र व दूसरे थाना क्षेत्रों मे मुखबिर तंत्र को मामुर किया गया एवं माल-मुलजिम की तलाशी एवं पतारसी की गई संदेहियो से गहन पूछताछ की गई एवं तकनीकी साक्ष्यों का गहन अवलोकन किया गया करीब दो महीने के अथक प्रयास से दिनांक 01.12.2024 को संदेही 1. इकराम पिता वेरसिह उम्र 40 साल निवासी गव्हाण थाना कोतवाली अलीराजपुर व 2. लालु पिता माधु उम्र 32 साल निवासी गव्हाण पुजारा फलिया थाना कोतवाली अलीराजपुर को पुलिस अभिरक्षा मे लेकर हिकमातमली से अपराध के संम्बन्ध मे पूछताछ करते अपराध करना स्वीकार किया आरोपियो से चोरी गई चांदी किमती करीबन 200000/- रुपये की बरामद कि गई एवं घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाईकिल जप्त कर आरोपियो को गिरफ्तार किया गया । उक्त अपराध की विवेचना में थाना प्रभारी मुकेश कनासिया सहायक उपनिरिक्षक दलसिह जमरा, प्र.आर 395 प्रदीप आरक्षक धनसिह आरक्षक तोलसिह, आरक्षक मुकेश आर. भारत का सराहनीय योगदान रहा ।

इजराइल ने फिर किया गाजा पर हमला, दो बच्चों समेत छह की मौत

इंटरनेशनल डेस्क: गाजा पट्टी पर शनिवार रात में किए गए इजराइली हमलों में दो बच्चों समेत कम से कम छह लोग मारे गए। चिकित्सा अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। नासीर अस्पताल के मुताबिक, मुवासी इलाके में हुए हमले में इन बच्चों की मां और उनके भाई-बहन घायल हो गए। अस्पताल में मौजूद 'एसोसिएटेड प्रेस% के एक संवादादाता ने शवों को देखा। मुवासी इलाके में एक विशाल टेंट कैंप है, जिसमें हज़ारों विस्थापित लोग रहते हैं। अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार, मिस्र की सीमा के पास स्थित दक्षिणी शहर रफा में एक अलग हमले में चार लोग मारे गए।

इजराइली सेना ने कहा कि उसे किसी भी स्थान पर हमलों की जानकारी नहीं है। इजराइल का कहना है कि वह सिर्फ चरमपंथियों को निशाना बनाता है और नागरिकों को नुकसान पहुंचाने से बचने की कोशिश करता है, लेकिन गाजा में उसके दैनिक हमलों में अक्सर महिलाएं और बच्चे मारे जाते हैं। एक अलग घटनाक्रम में, यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा दागी गई एक मिसाइल की वजह से मध्य इजराइल में हवाई हमले के सायरन बज गए। इजराइली सेना ने कहा कि उसने मिसाइल को इजराइली क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले ही मार गिराया।

पूर्व रक्षा मंत्री ने इजराइल पर युद्ध अपराध का आरोप लगाया है। इजराइल के एक पूर्व शीर्ष जनरल और पूर्व रक्षा मंत्री मोशे यालोन ने सरकार पर उत्तरी गाजा में जातीय सफाया करने का आरोप लगाया है, जहां इजराइली सेना अक्टूबर के शुरू से हमास के खिलाफ नवीनतम अभियान चला रही है।

बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार में रक्षा मंत्री रहे मोशे यालोन ने 2016 में इस्तीफा दे दिया था। वह प्रधानमंत्री के कटू आलोचक हैं। उन्होंने कहा कि इजराइल की वर्तमान अति दक्षिणपंथी सरकार गाजा पर कब्जा करने, विलय करने और जातीय सफाया करने के लिए दृढ़ है।

ऑस्ट्रेलिया में मछुआरों की नौका से 2.3 टन कोकीन जब्त, 13 लोग गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क: ऑस्ट्रेलिया में पुलिस ने क्वींसलैंड तट के पास क्षतिग्रस्त हुई संदिग्धों की एक नौका पर छापा मारकर करीब 2.3 टन कोकीन जब्त की और 13 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

संघीय पुलिस ने एक बयान में कहा कि इन मादक पदार्थों का बाजार मूल्य 76 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर था। जांच अधिकारियों ने ब्रिसबेन में पत्रकारों को बताया कि ये मादक पदार्थ किसी अज्ञात दक्षिण अमेरिकी देश से लाए गए थे।

ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस कमांडर स्टीफन जे ने बताया कि कोमांचेरोस मोटरसाइकिल गिरोह द्वारा तस्करी की साजिश रचे जाने के संबंध में सूचना मिली थी और एक माह से की जा रही जांच के बाद शनिवार और रविवार को ये गिरफ्तारियां की गईं। जे ने बताया कि तस्करों ने दो बार एक नौका से ऑस्ट्रेलिया में मादक पदार्थ तस्करी का प्रयास किया, लेकिन उनकी पहली नौका क्षतिग्रस्त हो गई और शनिवार को दूसरी नौका

डूब गई, जिससे संदिग्ध कई घंटों तक समुद्र में फंसे रहे तथा पुलिस ने मछली पकड़ने वाली नौका पर छापा मारकर मादक पदार्थ जब्त कर लिए।

जे ने बताया कि मुख्य नौका अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में थी और उसे पकड़ा नहीं जा सका। जे ने बताया कि प्राधिकारियों ने पहले भी एक टन से अधिक कोकीन जब्त की थी, लेकिन सप्ताहांत में जब्त की गई ये खेप ऑस्ट्रेलिया में मादक पदार्थ की अब तक की सबसे बड़ी खेप थी। जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है उन पर समुद्र के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नशीले पदार्थों के आयात की साजिश रचने का आरोप है और उन्हें सोमवार को विभिन्न अदालतों में पेश किया जाएगा। इस आरोप के तहत अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। पुलिस ने बताया कि नौका पर सवार लोगों के साथ कोकीन लेने के लिए तट पर इंतजार कर रहे लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है और इनमें से दो लोग 18 साल से कम उम्र के थे तथा ये सभी ऑस्ट्रेलियाई नागरिक थे।

पाकिस्तान में दो अलग-अलग अभियानों में 8 आतंकवादी मारे गए

2 सुरक्षाकर्मियों की भी मौत

इंटरनेशनल डेस्क। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग अभियानों में आठ आतंकवादी मारे गए। साथ ही इन अभियानों में एक अधिकारी समेत दो सुरक्षाकर्मियों की भी मौत हुई। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा की ओर से रविवार को जारी किए गए एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि बन्नू जिले के बाका खेल इलाके में खुफिया जानकारी के आधार शुक्रवार को चलाए गए एक अभियान में सुरक्षाकर्मियों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई थी जिसमें पांच आतंकवादी मारे गए और नौ घायल हो गए।

इसमें कहा गया कि इस अभियान में सुरक्षबलों ने भी अपनी जान गंवाई। बयान में कहा गया कि

खैबर जिले के शघाई में शनिवार को किए गए एक अन्य अभियान में तीन आतंकवादी मारे गए और सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को भी गिरफ्तार किया। इसमें कहा गया कि इस मुठभेड़ के दौरान कैप्टन रैंक के एक अधिकारी की भी मौत हो गई।

बयान में कहा गया कि ये आतंकवादी सुरक्षाबलों के साथ-साथ नागरिकों पर हमले करने में शामिल थे और लंबे समय से इनकी तलाश की जा रही थी। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने अभियान के दौरान अधिकारी और सैनिक के मारे जाने की घटना पर दुख जताया।

बांग्लादेश कोर्ट ने हसीना पर हमले मामले में खालिदा के बेटे को किया बरी

ढाका: बांग्लादेश में ढाका उच्च न्यायालय ने रविवार को निचली अदालत के फैसले को रद्द करते हुए 2004 में अवामी लीग की नेता शेख हसीना की रैली में हुए ग्रेनेड हमले के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान और पूर्व राज्य मंत्री लुत्फोज्जमां बाबर सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया। अटॉर्नी जनरल कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा, ''उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया और तारिक रहमान सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया। रहमान (57) बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष हैं। ढाका के बंगबंधु एवेन्यू में अवामी लीग की रैली पर ग्रेनेड हमले के बाद दो मामले - एक हत्या का और दूसरा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत दर्ज किए गए थे। इस हमले में 24 लोग मारे गए और लगभग 300 लोग घायल हुए। न्यायमूर्ति ए.के.एम. असदुज्जमां और न्यायमूर्ति सैयद इनायत हुसैन की पीठ ने मामले के सभी 49 आरोपियों को बरी कर दिया और कहा कि मामलों में निचली अदालत का फैसला ''अवैध था। निचली अदालत ने इस मामले में आरोपी प्रतिबंधित हरकत-उल-जिहाद अल-इस्लामी (हूजी) आतंकवादी संगठन के शीर्ष नेता मुफ्ती अब्दुल हन्नान के कबूलनामे के आधार पर यह फैसला सुनाया था। हन्नान को एक अन्य मामले के सिलसिले में फांसी की सजा दी गई है। उच्च न्यायालय ने कहा कि इकबालिया बयान कोई ठोस साक्ष्य नहीं है क्योंकि इसे बलपूर्वक लिया गया था और संबंधित मजिस्ट्रेट द्वारा इसकी उचित जांच नहीं की गई थी।

शादियों के सीजन में गाड़ियों की बिक्री में हुई भारी बढ़ोतरी

ग्रामीण इलाकों में अधिक डिमांड

नेशनल डेस्क. इस शादियों के सीजन में देश में गाड़ियों की बिक्री में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली है। नवंबर में प्रमुख कार कंपनियों जैसे कि मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की कारों की बिक्री 2.1त्न से लेकर 43.6% तक बढ़ी है। शादियों का सीजन 12 नवंबर से शुरू हुआ था और इस दौरान गाड़ियों की डिमांड खासकर ग्रामीण इलाकों में काफी बढ़ी है। इस बीच एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) की मांग भी जोरदार बनी रही। हालांकि, हाल ही में शेयर बाजार में लिस्ट हुई हुंडई मोटर इंडिया की बिक्री नवंबर में 2.4त्न घट गई।

मारुति सुजुकी इंडिया के सीईओ (मार्केटिंग एंड सेल्स) पाथों बनर्जी ने बताया कि नवंबर में कंपनी की ग्रामीण इलाकों में बिक्री 48.7% तक पहुंच गई, जो पिछले साल नवंबर के मुकाबले 2.2% ज्यादा है। हालांकि, शहरी बाजारों में अक्टूबर के मुकाबले नवंबर में उतनी तेजी नहीं देखी गई। आमतौर पर शहरी ग्राहक दिसंबर में साल के अंत में बेहतर ऑफ़र की उम्मीद करते हैं। इस कारण शहरी बाजार में धीमी गति देखने को मिली। इस दौरान मारुति ने अपने पोर्टफोलियो में एसयूवी का हिस्सा बढ़ाकर 29% कर लिया है। हुंडई मोटर इंडिया की नवंबर में बिक्री 2.4% घटकर 48,246 यूनिट्स पर पहुंच गई।

इसके अलावा कंपनी का निर्यात भी 20त्न घटकर 13,006 यूनिट्स रह गया। हालांकि, एक सकारात्मक बात यह रही कि ग्रामीण बाजार में हुंडई की हिस्सेदारी बढ़कर 22.1त्न हो गई, जो एक रिकॉर्ड है।

टीवीएस और सुजुकी की दोपहिया बिक्री में वृद्धि

दोपहिया वाहन निर्माता टीवीएस मोटर की बिक्री नवंबर में 10त्न बढ़कर 4 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई। वहीं, सुजुकी मोटरसाइकिल ने नवंबर में 8% वृद्धि के साथ 94,370 वाहन बेचे। पिछले साल नवंबर में टीवीएस ने 3.6 लाख और सुजुकी ने 87,096 दोपहिया वाहन बेचे थे।

चीन का लिथियम बैटरी उत्पादन तिब्बती लोगों के लिए बना मुसीबत

इंटरनेशनल डेस्क: चीन में इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माताओं के लिए लिथियम बैटरी उत्पादन क्षमता 2022 में एक टेरावाट घंटे से बढ़कर 2025 में तीन टेरावाट घंटे और 2030 तक 4.5 टेरावाट घंटे तक पहुंचने वाली है। लेकिन तिब्बत के पठार पर रहने वाले तिब्बती लोगों के लिए यह एक आपदा बन गई है। चीन की सरकार लिथियम बैटरी निर्माताओं को लिथियम की आपूर्ति के लिए तिब्बत के लिथियम खजाने की खुदाई करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, जिससे तिब्बत के नाजुक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है। पहले चीन दुनिया के सबसे बड़े श्व्क्क बाजार के रूप में दूसरे देशों से लिथियम की आपूर्ति पर निर्भर था। लेकिन अब बीजिंग तिब्बत के विशाल लिथियम भंडार का दोहन कर रहा है, जो चीन का 85 प्रतिशत लिथियम भंडार माने जाते हैं। चीन में इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माताओं के लिए लिथियम बैटरी उत्पादन क्षमता 2022 में एक टेरावाट घंटे से बढ़कर 2025 में तीन टेरावाट घंटे और 2030 तक 4.5 टेरावाट घंटे तक पहुंचने वाली है। लेकिन तिब्बत के पठार पर रहने वाले तिब्बती लोगों के लिए यह एक आपदा बन गई है। चीन की सरकार लिथियम बैटरी निर्माताओं को लिथियम की आपूर्ति के लिए तिब्बत के लिथियम खजाने की खुदाई करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, जिससे तिब्बत के नाजुक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है। पहले चीन दुनिया के सबसे बड़े EV बाजार के रूप में दूसरे देशों से लिथियम की आपूर्ति पर निर्भर था। लेकिन अब बीजिंग तिब्बत के विशाल लिथियम भंडार का दोहन कर रहा है, जो चीन का 85 प्रतिशत लिथियम भंडार माने जाते हैं।तिब्बत में खनन का काम सिर्फ लिथियम तक सीमित नहीं है। तिब्बत में कोयला, सोना और तांबा जैसे अन्य खनिजों का भी भारी मात्रा में खनन किया जा रहा है। इन खनिजों का उपयोग चीन की औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हो रहा है, लेकिन तिब्बती लोगों को इसका कोई फायदा नहीं मिल रहा है और उनका पारंपरिक जीवन और पर्यावरण बर्बाद हो रहा है। चीन अब दुनिया का सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है, और लगभग 60 प्रतिशत ऊर्जा कोयले से प्राप्त करता है। इस प्रदूषण से बचने के लिए चीन ने तिब्बत में कोयला खनन कार्यों को स्थानांतरित किया है। इसके अलावा, तिब्बत में तांबे के विशाल भंडार हैं, जो चीन की कार निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बांग्लादेश की अदालत गिरफ्तार हिंदू नेता की जमानत याचिका पर कल सुनवाई करेगी

ढाका: बांग्लादेश की एक अदालत ने पिछले सप्ताह राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किए गए हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की जमानत पर सुनवाई के लिए तीन दिसंबर की तारीख तय की है। मीडिया में आई खबर में यह जानकारी दी गई है। चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अतिरिक्त उपायुक्त मोफिज-उर-रहमान के अनुसार, मंगलवार की सुनवाई मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश मोहम्मद सैफ-उल-इस्लाम द्वारा की जाएगी। चटगांव की अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि सुनवाई की तारीख पहले ही तय कर दी गई थी, लेकिन बुधवार और बृहस्पतिवार को वकीलों की हड़ताल के कारण घोषणा में देरी हुई।

'बीडीन्यूज24 डॉट कॉम% की रिपोर्ट के अनुसार, सुनवाई तीन दिसंबर को होगी। 'बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत% के प्रवक्ता दास को सोमवार को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मंगलवार को चटगांव की एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया और जेल भेज दिया, जिसके बाद उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव में एक वकील की गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा में मौत हो गई।

दास सहित 19 लोगों के खिलाफ चटगांव के कोतवाली थाने में 30 अक्टूबर को राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया था, जिसमें उन पर हिंदू समुदाय की एक रैली के दौरान चटगांव के न्यू मार्केट क्षेत्र में बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप लगाया गया था। बांग्लादेश के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) से जुड़े 17 लोगों के बैंक खातों से लेन-देन पर 30 दिनों के लिए रोक लगाने का आदेश दिया, जिनमें इसके पूर्व सदस्य दास भी शामिल हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569